RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार
15.4.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 174

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सड़क, रेलवे, अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं: मोदी मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया

एजेंसी। देहरादून

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी। प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्धघाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल वर्तमान की सुविधाएं नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की समृद्धि की गारंटी हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर सालाना खर्च 2 लाख करोड़ रुपये से कम था, जो अब बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर काम जारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जहां गांवों में सड़कों के लिए पीढ़ियों तक इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब सड़कें गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और पलायन से खाली हुए गांव फिर से आबाद हो रहे हैं। दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे के लाभ गिनाते हुए उन्होंने कहा कि इससे यात्रा समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन की खपत कम होगी और परिवहन लागत भी घटेगी। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट ने हजारों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है और किसानों की उपज तेजी से बाजारों तक पहुंच सकेगी। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक तथा कचरे से इन क्षेत्रों को प्रदूषित न करें।

महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रहीं, विधायी संस्थाओं में भी भागीदारी बढ़े

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार देश की महिलाओं के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें मोदी ने कहा कि अगर 2029 में लोकसभा और अलग-अलग विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत और जीवंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। भारत की बेटियों से उस चीज के लिए हमेशा इंतजार करने को नहीं कहा जा सकता, जो उनका हक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा- "यहां भारत की नारी शक्ति के नाम मेरा पत्र है, जिसमें मैं उस वादे को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता दोहरा रहा हूं, जो दशकों से लंबित था। मैंने अपने साथी नागरिकों के साथ उस संकल्प को जल्द ही साकार करने के विषय पर अपने विचार साझा किए हैं।" जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो लोकतंत्र और भी ज़्यादा मजबूत हो जाएगा। सितंबर 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास किया गया था, जिसे आम तौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है। यह विधायी संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया था। मौजूदा कानून के तहत महिलाओं के लिए आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने से जुड़ा हुआ था।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री, आज लेंगे शपथ

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल 2026 एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो गया है। करीब दो दशकों तक सत्ता में रहे नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ 'नीतीश युग' का अंत हो गया है और अब सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उन्हें मंगलवार शाम चार बजे भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता चुना गया। राजग की बैठक के बाद इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। उनका शपथग्रहण समारोह 15 अप्रैल को लोकभवन में होगा। यह बदलाव बिहार की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है। कभी लालू प्रसाद यादव की राजनीति से जुड़े रहे सम्राट चौधरी आज भाजपा के सबसे भरोसेमंद चेहरों में शामिल हो चुके हैं और सत्ता के शीर्ष तक पहुंच गए हैं। सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को मुंगेर जिले के लखनपुर गांव में हुआ था। राजनीति उन्हें विरासत में मिली। उनके पिता शकुनी चौधरी समता पार्टी के संस्थापकों में रहे और सात बार विधायक व सांसद रह चुके हैं। उनकी माता पार्वती देवी भी विधायक रह चुकी हैं। सम्राट चौधरी ने 1990 के दशक में सक्रिय राजनीति की शुरुआत लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में की। वर्ष 1999 में वे राबड़ी देवी की सरकार में कृषि मंत्री बने। उस समय उनकी कम उम्र को लेकर विवाद भी हुआ था। हालांकि, उनके राजनीतिक जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब उन्होंने समाजवादी धारा छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने तेजी से संगठन और सत्ता दोनों में अपनी पकड़ मजबूत की। 2019 में वे भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने, 2020 में विधान परिषद सदस्य चुने गए और 2022 में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2023 में उन्हें बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, जो उनके राजनीतिक करियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इसके बाद 2024 में वे उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री बने तथा बाद में गृह विभाग की जिम्मेदारी भी संभाली। नवंबर 2025 में दोबारा उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया और कई बड़े फैसले लिए। गृह मंत्री के रूप में सम्राट चौधरी ने अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई की नीति अपनाई। उन्होंने अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया—"या तो अपराध छोड़ो या बिहार।" बेगूसराय में गैंगस्टर शिवदत्त राय पर हुई कार्रवाई को लोगों ने कड़े प्रशासनिक रुख के रूप में देखा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'अभय ब्रिगेड' और 'पिंक पुलिसिंग' जैसी पहल शुरू की गई। साथ ही डायल 112 के रिस्पॉन्स टाइम को 10 मिनट से कम करने के निर्देश दिए गए। अवैध खनन और भू-माफियाओं के खिलाफ उनकी सख्ती ने उन्हें भाजपा नेतृत्व के बीच मजबूत स्थान दिलाया।

संक्षिप्त समाचार

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार 48 साल बाद खुले भीतरी कक्ष में गिनती जारी

पुरी। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में स्थित रत्न भंडार को लेकर एक बार फिर रहस्य और जिज्ञासा का माहौल बन गया है। लगभग 48 वर्षों बाद मंदिर के भीतरी रत्न भंडार कक्ष को खोला गया है, जहां रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की गिनती का कार्य जारी है। मंदिर से जुड़े पुजारियों और उनके वंशजों का दावा है कि इस रत्न भंडार में सोने, चांदी और हीरे-जवाहरात का विशाल भंडार मौजूद है। साथ ही मंदिर परिसर में कई खुफिया चैम्बर और एक गुप्त सुरंग होने की भी चर्चा लंबे समय से होती रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2018 में एक बंद पड़े गुप्त तहखाने तक पहुंचने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस समय उसका दरवाजा खोलने के लिए चाबी नहीं मिल सकी। बाद में जुलाई 2024 में उस कक्ष को खोला गया, हालांकि अंदर मौजूद वस्तुओं को लेकर अब भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंदिर के पुजारी बताते हैं, कि प्राचीन काल में विभिन्न राजाओं द्वारा जीते गए धन और आभूषण इसी रत्न भंडार में सुरक्षित रखे जाते थे। इनमें सोने-चांदी के मुकुट, सिंहासन और बहुमूल्य रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है, इतिहास में उल्लेख मिलता है कि मंदिर को कई बार लूटने के प्रयास हुए, लेकिन हर बार प्रतिहारियों ने भगवान की मूर्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

नोएडा आंदोलन मजदूरों की आखिरी चीख, सरकार ने अनसुना किया : राहुल गांधी

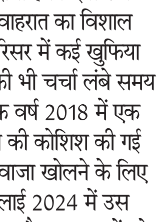

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नोएडा में अपनी मांगों को लेकर आंदोलित श्रमिकों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मजदूर देश की रीढ़ हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें बोझ समझ लिया है। कांग्रेस पार्टी मजदूरों के साथ है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा कि सोमवार को नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया और जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले मजदूर की 12 हजार रुपये महीने की तनख्वाह में से 4 हजार-7 हजार रुपये किराए में चला जाता है। सालाना 300 रुपये की तनख्वाह बढ़ोतरी मकान मालिक के 500 रुपये किराया बढ़ाने से दब जाती है। महंगाई मजदूरों की जिंदगी का गला घोंट रही है और उन्हें कर्ज में डुबा रही है। उन्होंने कहा कि गैस के दाम बढ़ते हैं, पर तनख्वाह नहीं। मजदूरों को कभी-कभी 5 हजार रुपए तक का सिलेंडर खरीदना पड़ता है। यह सिर्फ नोएडा की बात नहीं है, दुनियाभर में ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं, सप्लाई चेन टूट रही है, लेकिन इसका बोझ उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा, सबसे बड़ी मार दिहाड़ी मजदूर पर पड़ी है। राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने नवंबर, 2025 से बिना संवाद के चार लेबर कोड लागू कर काम का समय 12 घंटे तक बढ़ा दिया। जो मजदूर रोज़ 12 घंटे खड़े होकर काम करता है और बच्चों की स्कूल फीस कर्ज लेकर भरता है, उसकी मांग गैरवाजिब नहीं है।

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही: जेपी नड्डा

चेन्नई। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु (तमिल नववर्ष) और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "हम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं। उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है? यह पारिवारिक शासन है। द्रमुक ने महिलाओं, युवाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के विश्वास को धोखा दिया है। घोषणापत्र के शुभारंभ के दौरान पुथांडु के अवसर पर बधाई देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस शुभ अवसर पर तमिलनाडु में अपने भाई-बहनों के साथ रहना उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है।

सिंधिया ने प्रधानमंत्री संग्रहालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) के चौथे स्थापना दिवस पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' फिलाटेलिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संविधान, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर और प्रधानमंत्री कार्यालय के स्थापना दिवस से जुड़े विशेष पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पीएमएमएल की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, महानिदेशक (डाक) जितेंद्र गुप्ता समेत डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सिंधिया को देश के प्रधानमंत्रियों और संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़ी उनकी उपलब्धियों की डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। उन्होंने पीएमएमएल परिसर में लगाए गए देश के सभी प्रधानमंत्रियों के योगयान को लेकर जारी किए गए आज तक के सभी डाक टिकट भी देखे। सिंधिया ने कहा कि आज का दिन संविधान और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने का है। डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय मिलकर देशभर में प्रदर्शनी और सुविधाओं के माध्यम से साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। इसके तहत प्रधानमंत्री संग्रहालय में डाक विभाग का एक आउटलेट स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे पिछले 75 वर्षों से डाक विभाग ने भारत की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रणाली में योगदान दिया है, वैसे ही आने वाले 22 से 30 वर्षों में भी यह विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। उन्होंने इसे केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि संकल्प बताया कि आने वाले भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित बनाने की दिशा में हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे। करीब 45 मिनट तक चले इस कार्यक्रम में प्रदर्शनी का उद्घाटन, फिलाटेलिक डिस्प्ले का अवलोकन, पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं का बढ़ेगा योगदान: रक्षा खडसे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके समर्थन की अपील की है। पार्टी ने कहा है कि इस अधिनियम को लागू करने के लिए 16 अप्रैल से लोकसभा और राज्यसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए है। संसद और विधानमंडल में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनका योगदान बढ़ेगा। पंचायतों और नगर निकायों में पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है और वहां महिलाएं सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही हैं। इसी तरह अब संसद और विधानमंडलों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। खडसे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने लाल किले से महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणा की थी और उसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर दिए गए। मुद्रा योजना और 'लखपति दीदी' जैसी पहलें भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक रही हैं।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और गृहमंत्री ने नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को देशवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, "मैं बैसाखी, विशु, विषुव, बोहाग बिहू, पोइला बैसाख, मेषादी, वैशाखादि और पुथांडु के शुभ अवसर पर भारत और विदेश में रह रहे सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। ओम बिरला ने कहा कि बैसाखी, बोहाग बिहू, मेषादी पुथांडु (तमिल नव वर्ष), विशु (केरल नव वर्ष), पाना संक्रांति (ओडिया नव वर्ष) और चीराओबा त्योहार 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाते हैं और हमारी समृद्ध विविधता में एकता के बंधन को मजबूत करते हैं। ये आनंदमय अवसर हर घर में शांति, समृद्धि और नई आशा लेकर आएं। अमित शाह ने कहा कि प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद आप सभी को सुख और अच्छे स्वास्थ्य प्रदान करे। नव वर्ष के इस उमंग भरे उत्सव से संस्कृति के साथ हमारा बंधन और गहरा हो, सामाजिक एकता मजबूत हो और सभी को सुख-समृद्धि, समृद्धि और आनंद प्राप्त हो।

देश के कई राज्यों में 3 से 6 डिग्री बढ़ेगा पारा, हीटवेव का अलर्ट जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

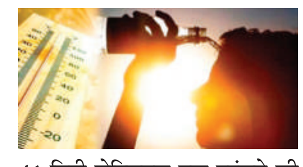

सबसे ज्यादा तापमान 43.1 डिग्री अकोला (महाराष्ट्र) में किया दर्ज

अप्रैल का महीना जैसे-जैसे बीत रहा है, वैसे-वैसे तापमान में भी बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 से 5 दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 3 से 6 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत के तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। अप्रैल के मध्य में ही कई शहरों का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिम भारत में 14 से 18 अप्रैल के बीच तापमान में 4 से 6 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में 17 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है आने वाले दिनों में उत्तर भारत के लोगों को चिलचिलाती धूप और बढ़ती गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। पिछले 14 घंटे में देश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री अकोला (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक पूरे भारत में तापमान लगातार बढ़ रहा है। उत्तरी मैदानों, पश्चिमी क्षेत्रों और मध्य भारत में समय से पहले ही लू जैसी स्थितियां देखने को मिल रही हैं। 14,15,16 अप्रैल को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी और हीटवेव से बचने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने आउटडोर श्रमिकों, विशेषकर निर्माण और अन्य असंगठित क्षेत्रों के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। इस एसपीओ के तहत ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक काम बंद रखने, काम के घंटे सुबह-शाम करने के निर्देश दिए हैं।

होर्मुज की नाकाबंदी का असर, ईरान का रुख पड़ा नरम अमेरिका भी पसीजा, परसों शुरू हो सकती है बातचीत

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं। अब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच परसों (गुरुवार) बातचीत हो सकती है। अल जजीरा और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है। इस्लामाबाद में अमेरिका ने ईरान को 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने एक जवाबी प्रस्ताव दिया। इसमें उसने कहा कि 20 साल नहीं, बल्कि पांच साल का प्रस्ताव वह मानने को तैयार है। अमेरिकी नाकाबंदी अगर जारी रही तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसलिए मध्यस्थ देशों ने फिर कोशिश शुरू कर दी है। मध्यस्थ देशों में से एक के राजनयिक ने कहा कि संघर्ष विराम के दौरान देनों देशों के बीच बातचीत गुरुवार को फिर शुरू हो सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बातचीत का मकसद 21 अप्रैल को संघर्ष विराम खत्म होने से पहले सुलह कराना है।

मिडिल ईस्ट मुद्दे पर जयशंकर और इजरायली विदेश मंत्री ने की फोन पर चर्चा

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट मुद्दे पर दिल्ली से खबर आ रही हैं कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर चर्चा की है। जयशंकर ने बताया कि मंगलवार दोपहर में इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई, जिसमें पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर कई पहलुओं पर बात हुई। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन साआर ने जयशंकर से लेबनान और ईरान के अलावा हार्मुज में चल रही टेंशन को लेकर विस्तार से चर्चा की। इतना ही नहीं उन्होंने इस्लामाबाद वार्ता में अमेरिका की शर्तों की भी हिमायत की और उन्हें जरूरी बताया। वहीं साआर की ओर से बताया गया, मेरे मित्र, भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हमेशा की तरह एक अच्छी बातचीत हुई। हम दोनों ने ईरान, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लेबनान पर चर्चा की। 'मैंने कहा कि वार्ता में अमेरिका का सख्त रुख, ऐसी शर्तों पर जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकें (ईरान में किसी भी तरह का संवर्धन नहीं, और समृद्ध सामग्री को ईरान से हटाना) पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी 18 मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुले

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी 18 मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। अब भक्त रामलला के साथ-साथ परिसर में स्थित अन्य मंदिरों के भी दर्शन का सौभाग्य पा सकते हैं। दर्शन का समय सुबह 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक रहेगा। इसके साथ दोपहर 12-1 बजे के बीच बंद रहेगा। इस फैसले के बाद भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मंदिर परिसर में रामलला और राम परिवार सहित कुल 18 मंदिरों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब पूरे परिसर को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया है। पहले जहां सीमित स्थानों पर ही दर्शन की सुविधा थी, अब भक्त पूरे परिसर में स्थापित सभी मंदिरों के दर्शन कर सकते है। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए बड़ा आध्यात्मिक अनुभव साबित हो रही है। राम मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए पास प्रणाली लागू की है। इसके तहत सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। हर दो घंटे के स्लॉट में करीब 1500 श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति मिल रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

पुलिस जांच के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, वीडियो वायरल होने से हड़कंप

झापीपा ने खोला मोर्चा; डीआईजी और उपायुक्त से कार्रवाई की मांग

बोकारो : बोकारो के चंद्रपुरा और बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के समीप कथित पुलिसकर्मियों द्वारा प्राइवेट कारों के जरिए अवैध वसूली का मामला गरमा गया है। झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने इस अवैध खेल का पर्दाफाश करते हुए एक वीडियो साक्ष्य के तौर पर पुलिस अधीक्षक, डीआईजी और उपायुक्त को भेजा है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि शाम के अंधेरे का लाभ उठाकर कथित पुलिसकर्मी प्राइवेट वाहनों से आते हैं और आम जनता, विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हेलमेट के नाम पर प्रताड़ित कर रहे हैं। श्री आजाद ने अपने पत्र में तीखा सवाल उठाया है कि जब बोकारो जिले में ऑनलाइन फाइन वसूली और डिजिटल फोटो चालान की व्यवस्था लागू है, तो फिर नियमों को ताक पर रखकर ऑफलाइन नकदी की वसूली क्यों की जा रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि वाहन चेकिंग टीम में कई प्राइवेट लोग भी शामिल रहते हैं, जो पुलिस की मिलीभगत से अवैध उगाही के खेल को अंजाम दे रहे हैं। शिकायत में यह भी रेखांकित किया गया है कि नियमानुसार किसी भी विशेष स्थान पर हेलमेट या वाहन चेकिंग के लिए आरक्षी अधीक्षक या सार्जेंट मेजर से विधिवत अनुमति लेना अनिवार्य है। लेकिन चंद्रपुरा के इस क्षेत्र में चौक-चौराहों से हटकर महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्रों में बिना किसी आधिकारिक अनुमति के गुपचुप तरीके से चेकिंग चलाई जा रही है।

झारखंड पीपुल्स पार्टी ने प्रशासन से वाहन चेकिंग और शुल्क वसूली की आधिकारिक नियमावली को जनहित में सार्वजनिक करने, चेकिंग पॉइंट्स के नियमित निरीक्षण और सत्यापन तथा नियम विरुद्ध वसूली करने वाले कथित पुलिसकर्मियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले के सामने आने के बाद अब जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। आम जनता में इस बात को लेकर रोष है कि सुरक्षा के नाम पर उन्हें सड़कों पर अवैध तरीके से परेशान किया जा रहा है।

नाश्ता करते रह गए सीएसपी संचालक और उचक्के डिक्की से ले उड़े एक लाख रुपए

- **घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं, लोगों में रोष**

बोकारो : बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के सबसे व्यस्त इलाके डीवीसी सेंट्रल मार्केट के समीप सोमवार को उच्चकों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक बाइक की डिक्की से एक लाख रुपये उड़ा लिए। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं और अपराधी कानून की गिरफ्त से दूर हैं। इस वारदात ने इलाके के व्यापारियों और बैंक उपभोक्ताओं के बीच असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के लहिया गांव निवासी सफदर अंसारी, जो एक सीएसपी संचालक हैं, सोमवार को अपनी पत्नी के साथ एसबीआई बोकारो थर्मल शाखा पहुंचे थे। वहां से उन्होंने एक लाख रुपये की निकासी की और नकदी को सुरक्षित समझकर अपनी बाइक की डिक्की में रख दिया। आशंका जताई जा रही है कि अपराधी बैंक से ही उनका पीछा कर रहे थे और सही मौके की तलाश में थे। बैंक से निकलने के बाद सफदर अंसारी डीवीसी सेंट्रल मार्केट स्थित एक चाउमीन सेंटर के पास अपनी बाइक खड़ी कर पत्नी के साथ नाश्ता करने लगे। इसी बीच, उनकी नजरों से ओझल होते ही अज्ञात अपराधियों ने बड़ी सफाई से बाइक की डिक्की खोली और नकदी लेकर रफूचक्कर हो गए। जब सफदर वापस अपनी बाइक के पास आए, तो डिक्की खुली देख उनके होश उड़ गए। घटना की लिखित शिकायत सोमवार रात्रि को ही बोकारो थर्मल थाना में दर्ज करा दी गई थी। मंगलवार को भी पुलिस की टीम घटनास्थल के आसपास और बैंक से लेकर मार्केट तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी रही। थाना पुलिस का कहना है कि सुराग ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है और अपराधियों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों की मदद ली जा रही है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक अपराधियों का कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है।

चुनावी फजीहत के बाद बोकारो भाजपा में जयदेव गुट का सूपड़ा साफ, संजय त्यागी बने उपाध्यक्ष

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश ने बोकारो जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। लेकिन यह केवल एक सूची नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर मचे घमासान और बदलाव की एक बड़ी कहानी है। हाल ही में संपन्न विधायक और मेयर चुनावों में पार्टी को मिली करारी शिकस्त या यूं कहें फजीहत के बाद बोकारो में बीजपी का कायाकल्प किया गया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह पूरी कवायद मानो पुरानी रणनीतियों के मलबे को हटाकर शून्य से नया ढांचा खड़ा करने जैसी है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की सहमति से घोषित इस नई टीम में सुरेंद्र राज को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। उपाध्यक्ष पद पर संजय त्यागी, बिनोद गोराई, अनिल स्वर्णकार, गिरजा देवी और सिंह को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। इस बदलाव की सबसे बड़ी खबर यह है कि पूर्व अध्यक्ष जयदेव राय के खेमे का पूरी तरह सूपड़ा साफ हो गया है। इसे पार्टी के भीतर एक बड़े सफाई अभियान के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें पुराने चेहरों को किनारे कर नई ऊर्जा को जगह देने की कोशिश की गई है। महामंत्री और मंत्री स्तर पर भी व्यापक बदलाव किए गए हैं। नई टीम में संजय सिन्हा, राम लाल सोरेन, ईश्वर महतो, विभीषण सिंह चौधरी तथा बबीता देवी जैसे नामों को शामिल किया गया है। वहीं, मंत्री पद पर एंजला सिंह और मनोज ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि जयनारायण मरांडी को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। हालांकि, गौर करने वाली बात यह है कि अभी भी कुछ पद रिक्त रखे गए हैं। यह इस बात का साफ संकेत है कि संगठनात्मक ढांचा अभी भी अधूरा है और पार्टी फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। स्थानीय सियासी पंडितों का मानना है कि लगातार मिली हार ने भाजपा की जमीनी पकड़ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मेयर चुनाव की हार ने तो पार्टी के अंतर्विरोधों को सार्वजनिक कर दिया था। अब सुरेंद्र राज के सामने चुनौती सिर्फ पार्टी चलाना नहीं, बल्कि उस बिखरे हुए आत्मविश्वास को बटोरना है जो पिछले दो चुनावों में धूल-धूसरित हो चुका है। तंज यह भी है कि भाजपा को अपनी राजनीतिक जमीन फिर से बोने के लिए अब एक लंबा और कठिन संघर्ष करना पड़ेगा। क्या यह नई टीम कार्यकर्ताओं के भीतर फिर से वही जोश भर पाएगी जो कभी बोकारो को भाजपा का गढ़ बनाता था? या फिर पुराने खेमे की नाराजगी नई टीम की राह में रोड़े अटकाएगी? फिलहाल, नई कार्यकारिणी के गठन से पार्टी के भीतर एक नई उम्मीद तो जगी है, लेकिन अपेक्षाओं और धरातल के बीच की दूरी को पाटना इस नई टीम के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा।

डुमरी में अंबेडकर जयंती पर निकला जुलूस, कई संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : प्रखंड में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती विभिन्न संगठनों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने संविधान निर्माण और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान में अंबेडकर की भूमिका को ऐतिहासिक बताते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया।

झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन ने रांगामाटी स्थित प्रधान कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया, जबकि कांग्रेस और युवा कांग्रेस ने जामतारा पंचायत सचिवालय सभागार में जयंती मनाई। डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा संगठन लोहेडीह और अंबेडकर युवा क्लब नगरी में भी हर्षोल्लास के साथ आयोजन हुआ। इस दौरान लोहेडीह और नगरी से जुलूस निकाला गया, जो निमियाघाट स्टेशन पहुंचकर एक-दूसरे से मिला और लोगों ने गले लगकर शुभकामनाएं दीं। सभी ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिप सदस्य धनंजय प्रसाद, मुखिया जितेंद्र दास, अर्जून महतो, पंसस प्रतिनिधि गोबर्धन दास, कोलेश्वर दास, जालेश्वर दास, सावन दास, सुभाष दास, झारखंड मूल निवासी के जिला अध्यक्ष भुनेश्वर रविदास, प्रीतम दास, जगदीश रजक, मनोज दास, बहादुर दास, मानिकचंद राम, धत्रधारी साव, झब्बु दास, महेश रजक, अशोक दास सहित कई लोग उपस्थित रहे।

यूनियन कार्यालय में केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो, उपाध्यक्ष सुभाष पंडित, भगतु रविदास, केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार, मदन मोहली, केंद्रीय सचिव जाफर अंसारी, केंद्रीय सदस्य बिरेंद्र यादव और प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र यादव मौजूद रहे। वहीं जामतारा सचिवालय में नागेश्वर मंडल, सरफराज अहमद, मनोज जायसवाल, सनाउल्लाह अंसारी, खुर्शीद अंसारी, फूलमनी देवी, अनवर अंसारी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने के संकल्प के साथ हुआ।

डुमरी के इसरी नगर में जैन मुनियों का भव्य स्वागत, निकला नगर भ्रमण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : इसरी नगर में जैन मुनि प्रमाण सागर और संधान सागर का मंगलवार को गाजे-बाजे और मधुर संगीत के बीच भव्य नगर प्रवेश हुआ। पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार जैन के नेतृत्व में विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने बैंड की धुन पर अरगाघाट रोड पहुंचकर मुनियों की चरण वंदना की और फिर नगर भ्रमण करते हुए बीस पंथी कोठी तक शोभायात्रा निकाली।

नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर जैन धर्मावलंबियों ने मुनि महाराज के पद प्रक्षालन कर उनका स्वागत किया। मुनि द्वय ने उदासीन आश्रम स्थित 24 तीर्थंकरों की खड़ी प्रतिमा के दर्शन किए तथा वर्णी आश्रम सहित अन्य मंदिरों का भी भ्रमण किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रमाण सागर के अमृत प्रवचन में भाग लिया, जबकि संधान सागर ने भक्तों की शंकाओं का समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वागत टीम में देवेश कुमार देव, विवेक जैन, सुब्रत कुमार सामंत, एतवारी महतो, रवींद्र कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे। नगर प्रवेश के अवसर पर जैन समाज के अशोक जैन, सोम जैन, राजेश जैन, सुनील कुमार जैन, मयंक जिनेश जैन, संजीव जैन, अनीता जैन, सीमा जैन, बब्लु जैन, अनिल जैन, विपुल जैन, रविंद्र जैन, विशाल जैन और आतीश जैन समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, फुसरो में मनाया गया डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

फुसरो : अनपति देवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर फुसरो में मंगलवार को भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधीर कुमार सिंह, वरिष्ठ आचार्य नवल किशोर सिंह, सुरेश साव, साधन चंद्र धर, दिवाकर पाण्डेय एवं किशोर कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित एवं बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पार्चन करके किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख आचार्य सुरेश साव ने बाबा साहेब को समर्पित अपने मधुर गीतों का गायन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया और उपस्थित सभी भैया-बहनों के उत्साह को दोगुना कर दिया। इसके पश्चात वरिष्ठ आचार्य श्री नवल किशोर सिंह ने बाबा साहेब के महान आदर्शों को भैया-बहनों के बीच रखा। वरिष्ठ आचार्य श्री साधन चंद्र धर ने अपने प्रभावी वाक्यों के माध्यम से भीमराव जी की जीवनी पर प्रकाश डाला और आचार्य रवि कुमार मोदी ने भी उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान की विस्तृत चर्चा की। प्रधानाचार्य श्री सुधीर कुमार सिंह ने भैया-बहनों को बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन से सीख लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर कक्षा तृतीय से दशम तक के भैया-बहनों ने अपने ओजस्वी भाषणों और विचारों के माध्यम से बाबा साहेब के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। भैया बहन ने समाज में समानता और शिक्षा के महत्व पर उनके विचारों को साझा किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्य दीदी एवं कर्मचारी बंधु भगिनी का संपूर्ण योगदान रहा।

ओरमांझी में अंबेडकर जयंती पर न्याय और समानता का संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः ओरमांझी प्रखंड में आजसू पार्टी के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी रही, जहां सभी ने बाबा साहेब के विचारों को अपनाते हुए न्याय, समानता और अधिकार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छात्र नेता राजकिशोर महतो ने अंबेडकर के जीवन, शिक्षा और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए उनके मूल मंत्र "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" को आज भी प्रासंगिक बताया। प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर महतो ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आजीवन संघर्ष कर देश को सशक्त संविधान दिया, जो हर वर्ग को सशक्त बनाने का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

इस अवसर पर यह भी संकल्प लिया गया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अन्याय, शोषण और कानून उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर समाज में समानता, भाईचारा और न्याय स्थापित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, केंद्रीय सदस्य प्रकाश चौधरी, रामनंदन महतो, दिगंबर महतो, राजकिशोर महतो, संजय तिर्की, शिवनाथ मुंडा, उमेश महतो, सुमित सिंह, दिलीप महतो, खिलेश्वर महतो, लालकिशोर महतो, तृतमोहन राव, आनंद महतो, सुदेश महतो और अनमोल भंडारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रांचीः डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर विशेष गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

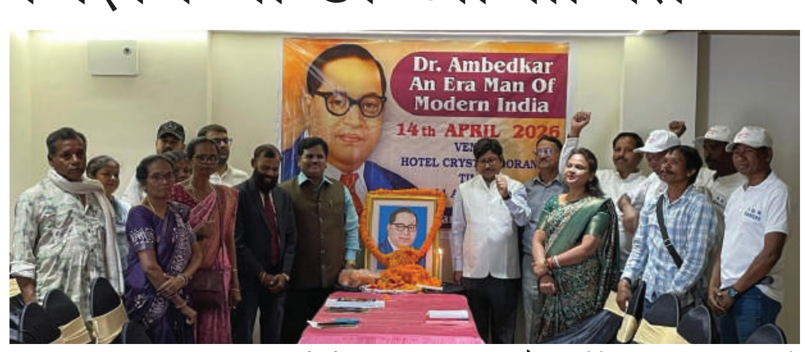

रांचीः संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में रांची के डोरंडा स्थित होटल क्रिस्टल में एक भव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। "डॉ. भीमराव अम्बेडकरः एक युग पुरुष" विषय पर केंद्रित इस समारोह की अध्यक्षता आदिवासी बुद्धि मंच के राष्ट्रीय संयोजक विक्टर कुमार माल्टो ने की।

समारोह को संबोधित करते हुए एन.एफ.डब्लू.एस.एस. (NFWS SS) के नेशनल प्रेसीडेंट डॉ. सहदेव राम ने बाबा साहब को 'युग पुरुष' की संज्ञा देते हुए कहा कि उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से देश को एक नई दिशा दी है। उन्होंने रेखांकित किया कि डॉ. अम्बेडकर ने ही सदियों से शोषण के शिकार दलितों और महिलाओं को संविधान के माध्यम से शिक्षा, नौकरी, मतदान, संपत्ति, समान वेतन और मातृत्व अवकाश जैसे मौलिक अधिकार दिलाकर समाज में उनकी हिस्सेदारी सुनिश्चित की। डॉ. राम ने नागरिकों से जाति और धर्म से ऊपर उठकर वैज्ञानिक सोच अपनाने और शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की।

झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि आजादी के 79 वर्षों बाद भी लोग अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि झारखंड में देश का 40 प्रतिशत खनिज होने के बावजूद यहां के दलित और आदिवासी अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मूल निवासियों से एकजुट होने का आह्वान किया।

समारोह के अध्यक्ष विक्टर कुमार माल्टो ने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए कहा कि 'पेसा (PESA) कानून 1996' के झारखंड में पूर्णतः लागू नहीं होने के कारण आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन की संपत्ति लूटी जा रही है। उन्होंने नगर निकाय चुनाव को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि इसके विरोध में उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की गई है, जिसकी सुनवाई होनी है।

गोष्ठी में मुख्य रूप से लक्ष्मी नारायण महतो, डॉ. पूनम मेहता, डॉ. सोनी कुजूर, डॉ. सुनीता कुमारी, मीरा कुमारी, शत्रुघन राम, डॉ. रीना गोइसोरा और डॉ. दिलकेश्वर प्रसाद सहित दर्जनों वक्ताओं ने अपने विचार रखे और बाबा साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन और आयोजन एन.एफ.डब्लू.एस.एस. की संयुक्त सचिव डॉ. पूनम मेहता की देखरेख में संपन्न हुआ।

सिनी में अंबेडकर जयंती पर बाइक रैली, सामाजिक एकता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : जिले के सिनी स्थित अंबेडकर कॉलोनी स्वर्णपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और बाबा साहेब के विचारों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर बाइक रैली निकालकर पूरे सिनी बाजार का भ्रमण किया गया, जिसके माध्यम से समाज में एकता और जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिनी मोड़ स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई, जिसमें जिला परिषद भाग-11 की लक्ष्मी सरदार सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उकरी मोड़ स्थित गंगा नारायण की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया।

भीम सेना के सदस्यों ने इस दौरान कहा कि आज दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों को जो अधिकार और सम्मान मिला है, वह बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। उन्होंने जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़कर समाज को नई दिशा दी। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने सामाजिक एकता, भाईचारे और समानता को मजबूत करने का संदेश दिया।

फार्मेसी काउंसिल पर भ्रष्टाचार के आरोप, मंत्री के पुतला दहन का ऐलान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) और झारखंड फार्मेसी छात्र संघ ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। ऑक्सीजन पार्क (मोराबादी) में आयोजित बैठक में संगठनों ने काउंसिल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 अप्रैल 2026 को शाम 5 बजे फिरायालाल चौक पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का पुतला दहन किया जाएगा। इसके बाद 16 अप्रैल से काउंसिल परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा, जो मांगों के पूरा होने तक जारी रहेगा।

संगठनों का आरोप है कि काउंसिल में पढ़ाई, परीक्षा, रजिस्ट्रेशन और अन्य प्रशासनिक कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे योग्य फार्मेसी छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अयोग्य लोगों की नियुक्ति भी एक गंभीर मुद्दा है, जिसे लेकर सरकार और विभाग की चुप्पी चिंता का विषय है।

प्रेस वार्ता में JLKM के विराट महतो, मार्शल महतो, संतोष महतो, राजु महतो, सूरज नारायण महतो, संजय महतो, दीपक महतो, सुधांशु महतो, रामसेवक महतो, मंटू महतो, विजय आनंद, किरण देवी, सुमित्रा देवी, उदित मुंडा, रमेश कुमार, कुलदीप कुमार, प्रकाश कुरमाली सहित कई नेता मौजूद रहे। वहीं छात्र संघ की ओर से अंगद कुमार महतो, गुलाम सर्वर, राजकिशोर मुंडा समेत दर्जनों छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संगठनों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं, बल्कि झारखंड के हजारों फार्मेसी छात्रों के भविष्य और सम्मान की लड़ाई है। राजधानी रांची में प्रस्तावित इस आंदोलन से स्वास्थ्य विभाग में हलचल बढ़ गई है और अब 16 अप्रैल से शुरू होने वाले धरने पर प्रशासन और सरकार की प्रतिक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

JSSC परीक्षा पर विवाद, संताली भाषा और ओल चिकी लिपि की अनदेखी पर उठे सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुरः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) द्वारा आयोजित उत्पाद सिपाही बहाली परीक्षा को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। वर्ष 2023 में शुरू हुई यह प्रक्रिया 2024 में शारीरिक परीक्षा और 2026 में लिखित परीक्षा तक पहुंची, लेकिन अब इसके संचालन, पारदर्शिता और प्रश्नपत्र की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

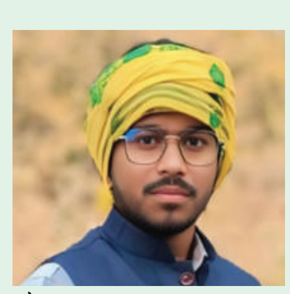

सबसे बड़ा विवाद संताली भाषा के प्रश्नपत्र को लेकर सामने आया है। आरोप है कि 100 प्रश्नों में एक भी प्रश्न पंडित रघुनाथ मुर्मू से संबंधित नहीं था और न ही प्रश्नपत्र को ओल चिकी लिपि में प्रस्तुत किया गया। जबकि यही लिपि संताली भाषा की मूल पहचान है और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने के बावजूद इसकी अनदेखी को लेकर समाज में नाराजगी है। वर्तमान समय में ओल चिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने के बीच इस तरह की चूक को लोगों ने सांस्कृतिक अस्मिता पर आघात बताया है।

भर्ती प्रक्रिया पर सवाल तब और गहरे हो गए जब पेपर लीक मामले में 165 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 159 अभ्यर्थी बताए जा रहे हैं। इससे परीक्षा की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

इस पूरे मुद्दे पर सामाजिक कार्यकर्ता सत्य नारायण मुर्मू ने कहा कि यह केवल परीक्षा की त्रुटि नहीं, बल्कि भाषा, संस्कृति और महापुरुषों के सम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने झारखंड सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनके अनुसार राज्य में लगभग 3.80 लाख बच्चे एक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई कर रहे हैं और 35 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। निजी स्कूलों की बढ़ती फीस को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि इससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

उन्होंने नेपाल का उदाहरण देते हुए वहां की शिक्षा व्यवस्था की सराहना की और झारखंड में भी सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की।

मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं कि संविधान में मान्यता मिलने के बावजूद ओल चिकी लिपि को परीक्षा में क्यों नजरअंदाज किया गया, पेपर लीक के बाद परीक्षा की विश्वसनीयता कैसे बहाल होगी और आखिर कब तक शिक्षा व्यवस्था की खामियों का खामियाजा छात्र उठाते रहेंगे। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो यह मुद्दा बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

राष्ट्रस्तरीय 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' पर बोकारो में मॉक ड्रिल, लोगों को किया जागरूक

» शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ।

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले में आग से बचाव और आपदा प्रबंधन को लेकर विभिन्न स्थानों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। वृंदावन नर्सिंग होम, नटखट स्वीट्स, सत्यम अस्पताल और मालती रेसिडेंशियल सोसायटी में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को आग लगने की स्थिति में सतर्कता और बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। मंगलवार से शुरू इस कार्यक्रम में शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

मॉक ड्रिल का नेतृत्व अग्निशामालय पदाधिकारी भगवान ओझा ने किया। इस दौरान सब ऑफिसर शिवनारायण लोहरा, प्रधान अग्निक चालक राजाराम महंति, प्रधान अग्नि चालक राघवेंद्र कुमार सिंह और अग्नि चालक बबलू यादव ने तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। अग्निशमन टीम ने आग लगने पर तत्काल प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी, अग्निशमन यंत्रों के उपयोग और प्राथमिक बचाव उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान अस्पतालों, प्रतिष्ठानों और आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आपात स्थिति में घबराने के बजाय संयम रखने और निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन करने की सलाह दी गई। अग्निशमन विभाग ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल लोगों को जागरूक करने और आपदा से निपटने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बताते चलें कि प्रत्येक वर्ष की भांति 14 से 20 अप्रैल तक मनाए जा रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत देशभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी जाती है और लोगों को आग से बचाव के प्रति जागरूक किया जाता है। इसी कड़ी में बोकारो जिले में भी पूरे सप्ताह डोर-टू-डोर अभियान चलाकर आम नागरिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अखंड भारत के प्रबल समर्थक और महान राष्ट्रभक्त थे डॉ. अंबेडकर : धर्मवीर सिंह

बोकारो : राष्ट्र भक्त समाज के तत्वावधान में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने किया, जिन्होंने सर्वप्रथम भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए धर्मवीर सिंह ने कहा कि बाबा साहेब केवल एक वर्ग के नेता नहीं, बल्कि एक प्रखर राष्ट्रभक्त, योद्धा राजनेता और अखंड भारत निर्माण के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने रेखांकित किया कि डॉ. अंबेडकर भारत विभाजन के घोर विरोधी थे और उनका दृष्टिकोण सदैव राष्ट्रीय एकता को अक्षुण्ण बनाए रखने का रहा। उन्होंने अपनी मेधा शक्ति और कठिन परिश्रम के बल पर विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और देश की आजादी व नवनिर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने शिक्षा को विकास का सबसे बड़ा हथियार बताया और कहा कि सभी जाति, धर्म और संप्रदाय का सम्मान करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रमोद कुमार विश्वकर्मा, नागेंद्र कुमार, चंदन कुमार पासवान, लालजीत कुमार, मंटू कुमार यादव, धनंजय कुमार और देवेंद्र कुमार सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बोकारो थर्मल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, समानता और शिक्षा के आदर्शों को अपनाने पर जोर

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के जुबली पार्क में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि डीवीसी के परियोजना प्रधान (एचओपी) सुशील कुमार अरजरिया ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर भारतीय संविधान के शिल्पकार और सामाजिक न्याय के प्रणेता डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में बड़ी संख्या में डीवीसी अधिकारियों, कर्मचारियों और सीआईएसएफ के जवानों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्षों और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा साहेब के समानता, शिक्षा और एकता के आदर्शों को आत्मसात करने पर विशेष जोर दिया और सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के समावेशी समाज के सपने और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के अंत में एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के संकल्प को दोहराया गया। इस अवसर पर डीवीसी के जीएम (एचआर) अलेक्जेंडर ए. कुजूर, वरिष्ठ प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी, प्रबंधक अंजू बोयपाई, संदीप भगत, गुंजन कुमार, राहुल उरांव और शिक्षक रमेश कुमार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

छात्राओं के बीच पहुंच उपायुक्त ने साथ किया भोजन, पुरानी यादें साझा कर बढ़ाया बच्चों का मनोबल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के चास स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने एक अभिभावक की भूमिका निभाते हुए छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया। इस अनौपचारिक मुलाक़ात के दौरान उन्होंने छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनके अनुभव, पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त को अपने बीच पाकर छात्राएं न केवल उत्साहित नजर आईं, बल्कि उन्होंने अपने दैनिक जीवन से जुड़ी बातें भी साझा कीं। इस अवसर पर उपायुक्त ने छात्राओं को देश के लिए जीने का संकल्प दिलाते हुए सफलता के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी।

संवाद के क्रम में उपायुक्त ने अपने विद्यार्थी जीवन के संघर्षपूर्ण दिनों को याद करते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि उनके समय में बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं और वे मोमबत्ती जलाकर पढ़ाई किया करते थे। उन्होंने अपने स्कूल में मुख्यमंत्री के आगमन का एक रोचक किस्सा साझा करते हुए संदेश दिया कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आज के दौर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर वे अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करें और जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करें।

भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की बाल संसद के सदस्यों से भी बात की और उन्हें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षिकाओं से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस आयोजन ने छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीवीसी चंद्रपुरा में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, रन फॉर इक्विटी के साथ हुई प्रभात फेरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा (बोकारो) : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती गौरवपूर्ण तरीके से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य द्वार से निकाली गई भव्य प्रभात फेरी के साथ हुआ, जहां 'रन फॉर इक्विटी के नारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। इसके पश्चात ईडीसीएल कार्यालय और अंबेडकर भवन के प्रांगण में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर विधिवत माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डीवीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान निर्माता के आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान रामकुमार अनुभवी ने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व की प्रशंसा की और कहा कि उनकी सकारात्मक सोच व दूरदर्शी दृष्टिकोण के कारण ही आज हमारा देश एक उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन एवं अनुरक्षण) अभिजीत घोष ने भी अपने संबोधन में सभी भारतीयों से बाबा साहेब के मार्गदर्शन का अनुसरण करने की अपील की। कार्यक्रम में राजकुमार चौधरी, लखी हेंब्रम, रामजी रजक, अक्षय कुमार, अमूल्य सिंह सरदार, ललन प्रसाद गुप्ता, डॉ. माणिक मंडल और पवन कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया।

बोकारो जिले में जगह-जगह धूमधाम से मनी बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर की जयंती

भावी भारत के निर्माण के लिए तैयार हों छात्राएं, आप ही देश का भविष्य हैंः उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : देशरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती बोकारो जिले में जगह-जगह काफी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिले भर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में बोकारो के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, चास में मंगलवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त अजय नाथ झा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब भारत का भविष्य हैं और आपका जन्म केवल घर का चूल्हा-चौका करने के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए बहुत कुछ करने के लिए हुआ है। उन्होंने छात्राओं से डॉ. अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उपायुक्त ने छात्राओं को भारतीय संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग की भावना और देश की एकता व अखंडता के महत्व से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उच्च न्यायालय के अधिवक्ता शहबाज अख्तर ने डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार बताते हुए शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मूल मंत्र को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित सभी अधिकारियों, शिक्षकों और छात्राओं को एक समावेशी, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, जिसके बाद विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एनडीसी प्रभाष दत्ता, डीईओ जगरनाथ लोहरा, डीएसई अतुल कुमार चौबे और डीपीआरओ रवि कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सिंहपुर में भोक्ता झूलन देखने उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

» पीठ में लोहे की कील छिदवाकर 40 फीट की ऊंचाई पर झूले भगतिया

» कसमार प्रखंड के कई गांव में धूमधाम से मनाया भोक्ता परब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के सिंहपुर, अजया (बगदा), मंजूरा, कुलागुजु, दांतू, पिरगुल सहित अन्य गांवों में भोक्ता परब धूमधाम से मनाया गया। मंगलवार को भगता झूलन का आयोजन हुआ, जिसे देखने के लिए हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सिंहपुर में करीब तीन दर्जन भगतिया ने अपनी पीठ में लोहे की कील छिदवाकर लगभग 40 फीट ऊंचाई पर झूलने की कठिन व साहसिक रस्म निभायी। सिंहपुर में दिनेश कपरदार, राहुल महतो, अशोक महतो, उज्जवल जयसवाल, प्रो सुनील कुमार करमाली, सुमित करमाली, अनिल कुमार करमाली, सावन करमाली, रवि, भद्दु, दीपक, बंटी, रोहित, पिंटू, सूरज, लक्ष्मी, बासुदेव, सुभाष, महेंद्र, सचिन, मुकेश, निमाय, चरका, शंकर, नरेश, शक्ति, मुरली, जयराम, दीपक, मधु, विक्की, एस रजवार आदि भोक्ता झूलन में शामिल हुए। इसी तरह अन्य गांवों में भी कई भक्तिया ने झूलने की परंपरा निभाई। भगता परब के इस आयोजन में डुमरी विधायक जयराम महतो, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, पूर्व विधायक बबीता देवी, आजसू नेत्री कौशल्या देवी, जेएलकेएम नेत्री पूजा महतो, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, प्रह्लाद महतो समेत कई जनप्रतिनिधि एवं राष्ट्रीय तीरंदाज करण कुमार कर्मकार शामिल हुए। सभी ने शिवालय में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान

कमेटी के अध्यक्ष मृत्युंजय कपरदार, सुजीत कुमार, घनश्याम महतो, भरत किशोर साव, विनोद महतो, अधीर चंद्र शर्मा, लखन साव, शंकर महतो, राकेश साव, मनोज सिंह, अश्रु साव, जितेंद्र महतो, सुफल महतो, अमूल्य महतो, निरंजन महतो, दशरथ महतो, रामकिशुन महतो, मुकेश महतो, चंदन, विष्णु जायसवाल, मिथिलेश महतो, सुनील महतो, सुनील करमाली, अशोक महतो, सुरेश साव, लखीकांत महतो, देवाशीष दे, राजेश महतो, सुमन महतो, खेतू करमाली, चामू महतो, केदार महतो, धनेश्वर महतो, ध्रुव महतो, शंभू महतो, ठाकुर महतो, बलराम महतो, निरंजन महतो आदि ने उल्लेखनीय भूमिका निभायी।

गर्री पंचायत भवन में आंबेडकर जयंती पर जुटे लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के गर्री पंचायत भवन में मंगलवार को भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ आंबेडकर के विचारों और उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाकपा माले नेता शकूर अंसारी ने कहा कि बाबा साहब ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातीय भेदभाव और संकीर्ण मानसिकता के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। समाजसेवी सूरज प्रकाश जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ आंबेडकर के विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे उनके बताए मार्ग पर चलते हुए अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें।

इस अवसर पर गर्री पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि राजेश कपरदार, मुखिया प्रतिनिधि धनलाल कपरदार, भाकपा माले उपसचिव गंगाधर महतो, राजू महतो, झामुमो नेता नंदन कपड़दार, उमाशंकर महाराज, संजय सहार, राकेश पांडे, सगीर अहमद, किशुन कपड़दार, शिवराम कपरदार, कैलाश कपरदार, शिवचरण महतो, अखिलेश्वर महतो, प्रवीण कुमार महतो सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो बार एसोसिएशन ने मनाई बाबा साहेब की जयंती

» उपायुक्त ने कहा- लोकतंत्र के स्तंभों को मिलकर करना होगा काम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो बार एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त अजय नाथ झा और सीजीएम मनोरंजन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एनडीसी प्रभाष दत्ता, डीएलएओ द्वारिका बैठा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शालिनी खालको सहित एसोसिएशन के अध्यक्ष बासुदेव गोस्वामी, सचिव दिनेश शर्मा और बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री झा ने कहा कि पिछले 80 वर्षों में भारत में लोकतंत्र की जड़ें अत्यंत मजबूत हुई हैं, जिसका मुख्य श्रेय हमारे संविधान को जाता है। उन्होंने समानता और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में संविधान की भूमिका को सर्वोपरि बताया। उपायुक्त ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को लोकतंत्र के सशक्त स्तंभ बताते हुए अधिवक्ताओं से लोगों में संवैधानिक जागरूकता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने एसोसिएशन से अपेक्षा जताई कि अगले वर्ष बाबा साहेब के विचारों पर आधारित संगोष्ठी, वाद-विवाद और निबंध जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए, ताकि बोकारो जिला संवैधानिक चर्चा का नेतृत्व कर सके।

वहीं, सीजीएम मनोरंजन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धा तभी होगी, जब हम अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि डॉ. अंबेडकर ने समाज की मूल समस्याओं को समझकर जिस संविधान का निर्माण किया, आज देश उसी के मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी बाबा साहेब के संघर्षों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने समाज में विधिक साक्षरता और सामाजिक न्याय के महत्व पर विशेष बल दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बकाया वेतन भुगतान हेतु सत्याग्रह पर बैठने की चेतावनी

कतरास (धनबाद): गुजराती हिंदी मध्य विद्यालय, कतरासगढ़ की शिक्षिका भावना चौहान ने बकाया वेतन और नियमित भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी, धनबाद को पत्र देकर कहा है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 20 अप्रैल से विद्यालय के मुख्य द्वार पर सत्याग्रह एवं भूख हड़ताल पर बैठेंगी।

शिक्षिका भावना चौहान ने पत्र में कहा है कि वे वर्ष 2002 से विद्यालय में कार्यरत हैं। उनका मासिक वेतन मात्र 2540 रूपये निर्धारित है। इसके बावजूद पिछले कई महीनों से वेतन भुगतान नहीं किया गया है। वेतन वृद्धि की मांग करने पर विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। वर्तमान में उनके पास आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं है, फिर भी वे अत्यंत कम वेतन में शिक्षण कार्य करने को मजबूर हैं। उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि विधायक, महापौर, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और गुजराती समाज के अध्यक्ष व सचिव को दी है।

श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती

धनबाद: मंगलवार को धनबाद विधायक राज सिन्हा के जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में महान समाज सुधारक, संविधान निर्माता एवं शोषित-वंचित, दलित तथा महिलाओं के उत्थान हेतु आजीवन संघर्ष करने वाले पूज्यनीय डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का आयोजन द्वय मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता एवं बसंती देवी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित नरेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि डॉ.अंबेडकर के विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनके आदर्श हमें समानता, सामाजिक न्याय और भाईचारे के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

अंत में सभी ने एकजुट होकर बाबा साहेब के सपनों के समतामूलक समाज के निर्माण हेतु संकल्प दोहराया।

मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास, राणा सिंह, अनिल सिन्हा, मोती महतो, शंभू सिंह, श्रवण झा, अजय मालाकार, दीपक सिंह, अरविंद सिंह, डिंपू कुमार, मनोज रिंकू सहित कई अन्य उपस्थित थे

ऊर्जा मित्रों का बुधवार को होने वाला अर्धनग्न प्रदर्शन स्थगित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: आमंत्रण ग्रीन, धैया में झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बुधवार को प्रस्तावित अर्धनग्न प्रदर्शन की रणनीति पर विचार-विमर्श करना था। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा ने बताया कि बिलिंग एजेंसियों द्वारा ऊर्जा मित्रों को सोमवार को एक माह का वेतन भुगतान किया गया है। इसके साथ ही, बिलिंग एजेंसी 'फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड' ने जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता (धनबाद) सहित अन्य अधिकारियों को ईमेल भेजकर अवगत कराया है कि वर्तमान में फंड की समस्या के कारण शेष वेतन भुगतान के लिए बुधवार तक का समय अपेक्षित है। एजेंसी ने आश्वासन दिया है कि

उक्त तिथि तक संपूर्ण बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।

इसी संदर्भ में महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता अशोक कुमार सिन्हा ने संस्थापक संतोष कुशवाहा से वार्ता कर विभाग के सम्मान और हितों का हवाला देते हुए बिलिंग एजेंसी को एक और अवसर देने की अपील की थी। संस्थापक महोदय ने बैठक में उपस्थित साथियों के समक्ष एजेंसी द्वारा प्राप्त ईमेल को प्रस्तुत किया और विभाग के अनुरोध को रखा। चर्चा के दौरान समस्त ऊर्जा मित्रों ने निर्णय लिया कि यदि बिलिंग एजेंसी निर्धारित तिथि तक भुगतान करने में विफल रहती है, तो संघ भविष्य में किसी भी बड़े आंदोलन के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। सर्वसम्मति से लिए गए इस निर्णय के बाद बुधवार को होने वाले अर्धनग्न प्रदर्शन को वापस ले लिया गया।

बैठक के दौरान ही संतोष कुशवाहा ने विद्युत अधीक्षण अभियंता (अंचल धनबाद) एसके कश्यप से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेबीवीएनएल की प्रतिष्ठा और एजेंसी के लिखित आग्रह को देखते हुए फिलहाल आंदोलन स्थगित किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह जेबीवीएनएल प्रबंधन का दायित्व है कि वह फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड पर दबाव बनाकर समय पर वेतन सुनिश्चित कराए, ताकि दोबारा आंदोलन की नौबत न आए और झारखंड सरकार व विभाग की छवि धूमिल न हो। इस बैठक में मुख्य रूप से महासचिव मनोवर खान, प्रदेश प्रवक्ता रोनित सिंह, कोषाध्यक्ष अरुण रवानी, अशरफ अली अंसारी, सलीम अंसारी, सुरेश प्रसाद, अफरोज अख्तर, रवि दा, इफ्तेखार अंसारी, निरंजन कुमार दास, रोहित साव, रोहित महतो, सुनील साव, हिमांशु बनर्जी, अमिताभ तिवारी, बादल महतो, राजेश महतो एवं अन्य ऊर्जा मित्र उपस्थित थे।

राजगंज में ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौक़े पर ही मौत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

राजगंज (धनबाद): राजगंज थाना क्षेत्र के दलूडीह पंचायत अंतर्गत सरायदाहा के पास मंगलवार अहले सुबह हुई सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।मृत चालक 31 वर्षीय संतोष केवट बिशुनपुर पंचायत के बोनासिंघा का रहने वाला था। वह रात करीब दो बजे बालू खाली कर वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया, जिससे चालक उसके नीचे दब गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद भी ट्रैक्टर का इंजन चालू रहा। इंजन की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतक के दो छोटे बच्चे हैं और उसने करीब तीन महीने पहले ही नया ट्रैक्टर फाइनेंस करवाया था।

मृतक के भाई चंदन केवट ने आशंका जताई है कि रात में झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ होगा।सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर थाना ले आई। परिजनों को सूचना देने के बाद सुबह आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया गया।इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पूर्वा एक्सप्रेस से गिरकर पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: दिल्ली से हावड़ा जाने वाली ट्रेन पूर्वा एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक दंपत्ति के साथ मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घटना डोकरा हॉल्ट से कुछ दूरी पर पोल संख्या 226/18 के पास की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे और वॉशरूम की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक पति का संतुलन बिगड़ गया और वे गिरने लगे।

पति को गिरता देख पत्नी ने तुरंत उन्हें संभालने की कोशिश की, लेकिन इसी क्रम में वह भी संतुलन खो बैठी और दोनों चलती ट्रेन से नीचे गिर पड़े। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके शरीर में कई जगह गहरी

चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे कंट्रोल रूम सक्रिय हुआ, जिसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा बलों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को घटनास्थल से उठाकर एंबुलेंस के माध्यम से धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो सकी है और वे किस स्थान के रहने वाले हैं, इसकी जानकारी भी नहीं मिल पाई है।

आरपीएफ और जीआरपी मामले की जांच में जुटी हुई है और घायलों के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्षों से झरिया में राज करने वाले और झरिया को लूटने वालों को डर सताने लगाः ढुलू महतो

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

भौंरा (धनबाद): बीते सोमवार को पूर्वी झरिया क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय में पानी-बिजली-प्रदूषण की समस्या को लेकर यूनाइटेड कोल वर्कर यूनियन असंगठित मोर्चा एवं भाजपा के जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता सांसद समर्थक गफ्फार अंसारी व उनके लोगों पर अज्ञात नकाबपोश लोगों द्वारा फायरिंग और हमला करने के मामले में धनबाद के सांसद ढुलू महतो भौरा 7 नंबर पहुंचे और घायलों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना।

सांसद ढुलू महतो ने कहा, "यह घटना काफी दुखद है, पर नई नहीं है। झरिया विधानसभा क्षेत्र में शुरू से ही जब भी कोई गरीब का बच्चा आगे बढ़ने का प्रयास करता है, तो कुछ लोगों के द्वारा उसे दबाने के लिए इस तरह का हथकंडा तैयार किया जाता है। कई वर्षों से झरिया में राज करने वाले और झरिया को लूटने वालों को डर सताने लगा है, और उनकी

जमीन हिलने लगी है। क्योंकि गरीब लोग जाग रहे हैं, और अपने हक की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। ऐसा देखकर उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है।"

उन्होंने कहा, "जिला प्रशासन इस घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजे और यह घटना क्यों हुई इसकी भी जानकारी सभी को दें। किसके इशारे पर इस तरह से कांड किया गया है, उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्वी झरिया क्षेत्र में इस तरह की यह पहली घटना है। सभी को अपना हक मांगने का अधिकार है।"

सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा, "यदि जिला प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है तो हम लोग जोरदार आंदोलन करेंगे। जितने भी गरीब पिछड़ा वर्ग के लोग हैं हमारे साथी हैं। हम उनके साथ हैं, और साथ रहेंगे। मुझे इन्होंने ही सांसद बनाया है। इन पर होने वाले अत्याचार का हम मुंह तोड़ जवाब देंगे।"

इस दौरान समर्थकों ने सांसद को भौरा चेकपोस्ट पर जोरदार तरीके से स्वागत किया। मौके पर आरिफ अंसारी, अरुण पासवान, बृज रजक, बीरेंद्र भुइया, राज अंसारी, रोहित यादव, अजय बाउरी, सूरज हाड़ी आदि थे।

समता, शिक्षा और समाज सेवा के संदेश के साथ आईआईटी (आईएसएम) में मनी अंबेडकर जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: मंगलवार को आईआईटी (आइएसएम) धनबाद में अंबेडकर जयंती के अवसर पर जीजेएलटी सभागार में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सन्नी राज, डिप्टी डेवलपमेंट कमिश्नर (डीडीसी), धनबाद ने अपने संबोधन में बीआर अंबेडकर को एक वैश्विक प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि देश ने काफी प्रगति की है, लेकिन समाज के कुछ हिस्सों में आज भी असमानता और भेदभाव देखने को मिलता है। उन्होंने बाबासाहेब के "एजुकेट, ऑर्गनाइज, ट्रांसफॉर्म" के संदेश को दोहराते हुए छात्रों से अपील की कि वे शिक्षा और शोध के माध्यम से

खुद को सशक्त बनाएं और आगे चलकर समाज की सेवा करें। उन्होंने यह भी कहा कि बाबासाहेब का योगदान केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं था, बल्कि अर्थव्यवस्था, नीतिनिर्माण और भारतीय संविधान के निर्माण में भी उनका अहम योगदान रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो.एसी. एस.राव के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने पहले के समय में मौजूद जातिवाद का जिक्र करते हुए कहा कि अब स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने संस्थान के एससी/एसटी सेल के प्रयासों की सराहना की।

इस मौके पर सुखनिंदर कौर ने डॉ.अंबेडकर पर साइटेशन प्रस्तुत किया। वहीं, रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय ने डॉ.अंबेडकर के जीवन और उनके कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने छात्रों को किताबों के महत्व को समझने और उनके विचारों को अपनाने की सलाह दी।

डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर) प्रो. एसके गुप्ता ने अपने संबोधन में लिंग, जाति और धर्म के आधार पर समानता की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने सोच में समानता को शामिल करें, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है और हमें अपने दैनिक जीवन में न्याय और समानता का पालन करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिन्होंने पूरे आयोजन को और भी जीवंत बना दिया।

चंदन पाल को मिला झारखंड इमेजिंग एक्सपो 2026 के अंतर्गत फोटो जर्नलिज्म प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांची: रांची में आयोजित झारखंड इमेजिंग एक्सपो 2026 के अंतर्गत फोटो जर्नलिज्म प्रतियोगिता में धनबाद के युवा फोटोग्राफर चंदन पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल कर जिले का नाम रौशन किया है। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन का समापन रांची के हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में हुआ, जहां देशभर से आए प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

फोटो जर्नलिज्म कैटेगरी में कोलकाता के शांतनु को प्रथम स्थान, जबकि पाकुड़ के पीटरसन बास्की को तृतीय पुरस्कार मिला। इस प्रतिस्पर्धा में चंदन पाल की प्रस्तुति ने निर्णायकों को काफी प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें

द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में आयोजकों द्वारा उन्हें मोमेंटो, प्रमाण पत्र और नगद राशि प्रदान की गई।

चंदन पाल धनबाद स्थित "चंदन स्टूडियो" के संचालक हैं और पिछले कई वर्षों से फोटोग्राफी के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे विशेष रूप से फोटो जर्नलिज्म और इवेंट फोटोग्राफी के लिए जाने जाते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और समाचार से जुड़े महत्वपूर्ण पलों को प्रभावशाली ढंग से कैमरे में कैद करना उनकी पहचान बन चुका है।

इससे पहले भी वे कई क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में सम्मानित हो चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से धनबाद के स्थानीय फोटोग्राफर्स में खुशी और प्रेरणा का माहौल है। चंदन पाल की सफलता यह साबित करती है कि छोटे शहरों के प्रतिभाशाली कलाकार भी अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं।

जलजमाव से नीलांचल कॉलोनी वासी परेशान, मेयर ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: धनबाद में बिग बाजार के समीप नवनिर्मित पुल के कारण नीलांचल कॉलोनी में जलभराव की समस्या एक गंभीर विषय बन गई है। इस निर्माण के चलते नाले की प्राकृतिक जल निकासी बाधित हो रही है, जिससे मानसून के दौरान स्थानीय निवासियों के घरों में पानी घुसने और जनजीवन अस्त-व्यस्त होने का खतरा बढ़ गया है। जनता की लगातार शिकायतों के बाद नगर निगम और आरसीडी के अधिकारियों ने स्थल का तकनीकी निरीक्षण किया ताकि ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार किया जा सके।

महापौर संजीव सिंह ने इस

मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है कि बरसात से पहले जल निकासी को सुचारू करना उनकी प्राथमिकता है।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती गरिमामय वातावरण में सम्पन्न, कर्मचारियों ने उनके विचारों को बताया प्रेरणास्त्रोत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद: मंगलवार को कोचिंग कॉम्पलेक्स, धनबाद में भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर कोचिंग फोरमैन अभय कुमार मेहता, पूर्व मध्य रेलवे कर्मचारी संघ (ECRKU) के संगठन सचिव (हाजीपुर) एवं नेताजी सुभाष शाखा के सचिव जितेंद्र कुमार साव और एन के खवास सभी ने डॉ.अम्बेडकर के जीवन, उनके संघर्षों एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ.अम्बेडकर के विचार

आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता को समाज की उन्नति का मूल आधार बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज को शिक्षित बनाकर ही अपने अधिकारों के लिए सशक्त रूप से संघर्ष किया जा सकता है तथा सामाजिक न्याय की स्थापना संभव है। डॉ. अम्बेडकर का जीवन हम सभी को कर्तव्यनिष्ठा, परिश्रम और आत्मसम्मान का संदेश देता है।

कार्यक्रम में एससी/एसटी एसोसिएशन के राम जीवन कुमार, एसएसई देवदीप कुमार, संतोष कुमार गोंड, संतोष कुमार, संतोष कुमार वर्मा एवं स्वदेश कुमार सहित अनेक कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अरुण कुमार, कमाल हुसैन, निजाम हुसैन, अनिल कुमार, प्रशांत कुमार, कल्पना कुमारी एवं नीलू कुमारी सहित अन्य कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित कर्मचारियों द्वारा डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को अपनाने एवं उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के एक मामले में पुलिस ने फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार बीते 15 सितंबर 2024 को थाना क्षेत्र की एक पीड़िता ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया था। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसकी शादी पश्चिम बंगाल के कालियाचक थाना अंतर्गत महेशपुर गांव में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग की जा रही थी और मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ना की जाती थी। इस संबंध में राधानगर थाना में कांड संख्या 148/24 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 115(2), 352, 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में रबीउल मोमिन समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। घटना के बाद से मुख्य आरोपी रबीउल मोमिन लगातार फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर राधानगर थाना पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकाने पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

साक्षरता चौक के निकट यज्ञ मेला में गोली लगने से युवक घायल

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साक्षरता चौक के समीप लगे यज्ञ मेला में सोमवार की मध्य रात्रि लगभग 12 बजे गोली लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आननफानन में परिजन उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां ट्रॉमा सेंटर में डॉ मुकेश ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। मिली जानकारी के अनुसार चानन निवासी शिव कुमार(19 उम्र गलत दर्ज है पता कर लें) ने मेला में खिलौने बेचने गया था। अस्पताल में मौजूद युवक की बहन फूलो देवी ने बताया कि शिव आये दिन मेला में दुकान लगा खिलौने बेच रहा था। सोमवार की रात लगभग दुकान बंद कर वहीं खाना खा रहा था। तभी अचानक कहीं से एक गोली आ कर उसके चेहरे की ठुड्डी में जा लगी। गोली किसने चलाई इसका पता नहीं चला। इसके बाद आननफानन में उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। इधर डॉ मुकेश के अनुसार युवक की ठुड्डी में गोली लगी है। जिससे उसकी ठुड्डी की हड्डी टूट गयी है।फिलहाल ट्रॉमा सेंटर में युवक का प्राथमिक उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

चोरी कांड में फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंजुमन नगर निवासी मोहम्मद सद्दाम को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मद सद्दाम के विरुद्ध चोरी का मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।

थाना प्रभारी सी. सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है। उसके खिलाफ जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 260/25 दर्ज है। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है

ट्रांसफार्मर लगने से रामनगर रविदास टोला को मिली राहत

डुमरी : रामनगर रविदास टोला में 63 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन मंगलवार को जिप सदस्य धनंजय प्रसाद ने फीता काट कर एवं नारियल फोड़ कर किया।गांव में लगा ट्रांसफार्मर दो दिन पूर्व जल गया था जिससे इस गरमी में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।लोगों ने इसकी जानकारी जिप सदस्य को दी एवं ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का आग्रह किया।वहीं जिप सदस्य ने बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का आग्रह किया।जिसपर विभाग ने ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया।मौके पर डीलू रविदास मोहन रविदास नागेश्वर दास विजय कुमार थानू रविदास आदि उपस्थित थे।जिप सदस्य ने कहा कि वे क्षेत्र की समस्याओं को लेकर हमेशा सजग रहते हैं।

दुमका में अंबेडकर जयंती पर शिक्षा और राष्ट्रभाव का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : छात्र चेतना संगठन की जिला इकाई द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष राकेश रौशन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा और क्षेत्रीय प्रभारी राजीव मिश्रा समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल देशभक्ति और सामाजिक समरसता के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत हिमांशु मिश्रा द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना आज भी अधूरा है और उसे साकार करने के लिए शिक्षा और संघर्ष को हथियार बनाना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसा साधन है जिसे न छीना जा सकता है और न ही चुराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा के साथ 'राष्ट्र प्रथम' का भाव जुड़ जाएगा, तभी बाबा साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राजीव मिश्रा ने कहा कि छात्र चेतना संगठन के कार्यकर्ता पिछले 28 वर्षों से बाबा साहेब के

बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र सेवा में जुटे हैं। उन्होंने बाबा साहेब के विचार "शिक्षा शेरनी का दूध है" का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही संगठित और सशक्त बन सकता है, जो जाति-धर्म से ऊपर उठकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करता है।

कार्यक्रम में मालोती टुडू, पीयूष लायक, रोशन गुप्ता, प्रेम कुमार शाह, अंकुश गुप्ता, आलोक कुमार, मुकेश कुमार, सिंटू ठाकुर, विशाल ठाकुर, बमबम कुमार, उमेश यादव, सुधांशु केसरी, कंचन पाल, मनोज मंडल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

बरहरवा में विकास कार्यों की शुरुआत, तीन वार्डों में नाली व सड़क निर्माण का शिलान्यास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 11, 12 एवं 14 में आरसीसी नाली एवं पीसीसी सड़क निर्माण योजना का मंगलवार को विधिवत शिलान्यास किया गया। इस योजना के लिए कुल 29,06,964 रुपये की प्राक्कलित राशि निर्धारित की गई है। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्पिता दास एवं उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार भगत ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर संबंधित वार्डों के पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार भगत ने कहा कि यह कार्य नगर क्षेत्र में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि जनता से किए गए वादों को निभाने के लिए नगर पंचायत पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा। शिलान्यास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं वार्डवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल का स्वागत करते हुए खुशी जताई।

पाकुड़ में 9 अपराधी निगरानी में, पुलिस रखेगी घर-घर नजर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़: जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए 9 कुख्यात अपराधियों को निगरानी सूची में शामिल किया है। पुलिस के अनुसार 1 फरवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 के बीच इन सभी पर विभिन्न आपराधिक मामलों में कार्रवाई की गई थी और चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। अब झारखंड पुलिस के नियम-370 के तहत इनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी।

पुलिस के इस निर्णय के तहत इन अपराधियों की नियमित भौतिक जांच की जाएगी। पुलिस समय-समय पर इनके घर पहुंचकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करेगी और यह देखेगी कि वे किसी आपराधिक गतिविधि में दोबारा शामिल न हों। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य अपराधियों में भय पैदा करना और जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

जारी आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक कार्रवाई पाकुड़िया थाना क्षेत्र में हुई है, जहां 4 अपराधियों को निगरानी में लिया गया है। इसके अलावा लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्रों में 2-2 तथा पाकुड़

(मुफस्सिल) थाना क्षेत्र में 1 अपराधी को सूचीबद्ध किया गया है।

पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि जिले में कानून का राज कायम रखा जाएगा और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो अपराधी सुधर जाएंगे, उनके लिए रास्ता खुला है, लेकिन जो नहीं सुधरेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

पाकुड़ में बैसाखी की धूम, गुरुद्वारे में उमड़ा जनसैलाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : जिले में बैसाखी का त्योहार उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। गुरु साध संगत गुरुद्वारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां सिख और सिंधी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। गुरुद्वारे का माहौल भक्ति से सराबोर रहा और रागी जत्थों द्वारा प्रस्तुत गुरुबाणी ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। भाई नवनीत सिंह के कीर्तन ने संगत को भावविभोर कर दिया।

अरदास के बाद गुरु का लंगर आयोजित किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सेवा और भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहां ऊंच-नीच का कोई भेदभाव नहीं रहा और सेवादारों ने पूरे समर्पण के साथ लोगों की सेवा की।

कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा कमिटी द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष

सबरी पाल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मान के बाद सबरी पाल ने कहा कि वे जनता के भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और किए गए वादों को हर हाल में पूरा करेंगे। कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बैसाखी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन खालसा पंथ की स्थापना हुई थी, जो सिख समुदाय के लिए गर्व और आस्था का प्रतीक है।

बैसाखी पर्व को नई शुरुआत और खुशहाली का प्रतीक बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह त्योहार जहां किसानों के लिए नई फसल की खुशी लेकर आता है, वहीं सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह की वीरता और त्याग की याद भी दिलाता है। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने आपसी भाईचारे, सेवा और एकता का संदेश दिया।

पाकुड़ में अंबेडकर जयंती पर सियासी बयानबाजी, स्वास्थ्य व्यवस्था सुधार का दावा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ : डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश ठाकुर ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान दोनों नेताओं ने संविधान और मौजूदा राजनीतिक हालात पर अपनी बात रखते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इरफान अंसारी ने कहा कि उनका वर्तमान पद संविधान की देन है और यही गरीबों को आगे बढ़ने का अधिकार देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में संविधान पर प्रहार हो रहा है और स्पष्ट कहा कि देश बाबा साहेब के संविधान से ही चलेगा। वहीं राजेश ठाकुर ने संविधान की रक्षा को लेकर कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पार्टी मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए

संघर्ष जारी रखेगी।

कार्यक्रम के बाद सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए इरफान अंसारी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों को इतना सशक्त बनाया जाएगा कि लोगों को निजी अस्पतालों पर निर्भर न रहना पड़े। निजी अस्पतालों में हो रहे शोषण पर चिंता जताते हुए उन्होंने मीडिया से इसकी खामियों को उजागर करने की अपील की।

डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा और अस्पतालों में भीड़ की समस्या पर मंत्री ने कहा कि इससे चिकित्सकों का मनोबल गिरता है और वे असुरक्षा के कारण मरीजों को रेफर करने लगते हैं। उन्होंने जनता से डॉक्टरों का सहयोग करने की अपील की। साथ ही बताया कि मैनपावर की कमी दूर करने के लिए सिविल सर्जनों से रिक्त पदों का ब्योरा मांगा गया है और जल्द ही बैकलॉग नियुक्तियां की जाएंगी। पुरानी एम्बुलेंस को बदलने और अस्पतालों में निष्क्रिय पड़ी मशीनों के संचालन के लिए तकनीशियनों की नियुक्ति की भी बात कही।

इरफान अंसारी ने यह भी कहा कि वे समय-समय पर खुद अस्पतालों में ओपीडी करेंगे, जिससे लोगों का भरोसा बढ़ेगा। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को विकास के मुद्दे उठाने चाहिए, न कि सिर्फ राजनीति करनी चाहिए। पाकुड़ दौरे के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल चुनाव और विपक्षी दलों की भूमिका को लेकर भी तीखी टिप्पणियां कीं और जनता से संविधान के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

दुमका कांग्रेस भवन में मनाई गई बाबा साहब की 135वीं जयंती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका: जिला कांग्रेस भवन में जिलाध्यक्ष स्टीफन मरांडी की अध्यक्षता में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जिलाध्यक्ष स्टीफन मरांडी ने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा रचित संविधान आज भी राष्ट्र की एकता और अखंडता का आधार है। उन्होंने जोर दिया कि अंबेडकर के विचार सदैव प्रासंगिक रहेंगे और हमें संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

कार्यक्रम में महेश राम चंद्रवंशी, मनोज अंबष्ट, शमशाद अंसारी और महबूब आलम सहित कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने बाबा साहब के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

राधानगर में झारखंड राज्य चाय विकास समिति की बैठक हुई आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राधानगर पंचायत सचिवालय में मंगलवार को झारखंड राज्य चाय विकास समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संस्थापक नरेश मंडल ने की। इस दौरान बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड राज्य चाय विकास समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर 31 मई को मंगलहाट में आयोजित किया जाएगा। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बैठक के पूर्व सभी उपस्थित सदस्य अपने अपने क्षेत्र में अपने स्तर से काफी संख्या में बैठक में उपस्थित हो इसको लेकर प्रचार प्रसार करे। निर्णय लिया गया कि 31 मई को बैठक में संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा। निर्णय लिया गया कि चाय जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने हेतु विधायक या सांसद आदि से मिलने हेतु तत्काल एक शिष्टमंडल

का गठन किया जाए जिस पर सर्वसम्मति से निम्नलिखित शिष्टमंडल के सदस्यों के नाम पर सहमति बनी। मौके पर दीपनारायण मंडल, रमेश मंडल, अशोक कुमार मंडल, राजेश मंडल, विश्वजीत मंडल, वरुण मंडल, अनिल सरकार, नरेश चंद्र मंडल, हरिदास मंडल। वही बैठक के समापन के बाद संविधान निर्माता भीमराव अमेडकर की जयंती मनाई गई। उनके तस्वीर पर माल्यार्पण किय गया। मौके पर सुखदेव मंडल, राजकिशोर मंडल, देवेन मंडल, सुनील कुमार मंडल, निहार रंजन मंडल, दिवाकर मंडल, श्रवण मंडल, अमित कुमार, हरिदास मंडल आदि उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर पाकुड़ में जश्न, भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली विजय रैली

» पंचायत से सदन तक गूंजेगी नारी शक्तिः सरिता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़: केंद्र सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) के ऐतिहासिक निर्णय के बाद देशभर में उत्साह का माहौल है।इसी कड़ी में पाकुड़ जिले में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से एक भव्य विजय रैली निकाली गई। इस दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया।रैली की शुरुआत पाकुड़ शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं और

महिलाओं का हुजूम जयकारों के साथ आगे बढ़ा। रैली डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास पहुंचा, जहाँ भाजपा नेताओं और महिला कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता की मूर्ति पर माल्यार्पण** कर उन्हें नमन किया।भाजपा जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो वादा किया था, उसे पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पास होने से महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी मिलेगी। प्रधानमंत्री जी जो कहते हैं, वह करते हैं। यह अधिनियम महिलाओं को और भी सशक्त बनाएगा और समाज के निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूती देगा।"

पंचायत से सदन तक गूंजेगी नारी शक्तिः सरिता-रैली में शामिल भाजपा की अन्य महिला नेताओं ने भी अपनी खुशी जाहिर की। महिला नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अब महिलाओं का अधिकार केवल पंचायतों तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा मोदी जी ने इतिहास रच दिया है। पहले महिलाओं का अधिकार सिर्फ पंचायत चुनावों तक था, लेकिन अब हम सदन (विधानसभा और लोकसभा) तक अपनी आवाज पहुँचा सकेंगे। आने वाले समय में लोकतंत्र और भी मजबूत होगा क्योंकि देश की 'आधी आबादी' को अब उसका हक मिल गया है।

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा?

कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतः तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है। ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतः यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

संजय गोस्वामी

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां –बाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां-बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरीलगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ''स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !'' शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता

का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं।

शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम शिक्षा माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध लगभग समाप्त हो गये हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु शिक्षक है। सामाजिक मूल्यों में चाहे जितनी गिरावट आयी हो किन्तु समूचा समाज शिक्षक को आज भी अपेक्षाकृत अन्य वर्गों की तुलना में सम्मान की दृष्टि से देखता है।' उन्हीं लोगों के साथ न जुड़े रहना जो आपको बार बार और लगातार दर्द दे रहे हैं। यह सोचकर बैठ जाना की आप जीवन कुछ खो नहीं सकते। जब अचानक संघर्ष आता है तो तैयारी न होने पर लोग टूट जाते हैं या बिखर जाते हैं टूट गए तो फिर जुड़ जाएंगे लेकिन बिखर गए तो व्यक्तित्व के टुकड़े समेटना मुश्किल होगा आज के बच्चों को तो मालूम ही नहीं है कि संघर्ष होता क्या है।अतः हमें अपने मन की प्रक्रिया के विषय में एक स्पष्ट धारणा रखने की आवश्यकता है। क्या हम इसे अपने आज्ञा-पालन में, अपने साथ सहयोग करने में प्रशिक्षित कर सकते हैं ? किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व के विकास में माता पिता का अहम योगदान रहता है।

रंग, राग और रचना: जीवन में कला का उत्सव

सुनील कुमार महला

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख)

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया- और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैल.ई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैल.ई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है।

अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

आज का राशिफल

मेष राशि: आज तरक्की के नये रास्ते खुले नजर आयेंगे। शाम तक अच्छी खबर मिलने की संभावना बन रही है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जाएंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। आप आसपास के लोगों से सहानुभूति बनाये रखेंगे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए दिन खास रहने वाला है।

वृष राशि: आज करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर मिलेंगे। बिजनेसमैन को काम में नए कुछ बेहतर अवसर मिलेंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे। आज आपको अपने सगे-संबंधियों से भी पूरा लाभ मिलेगा।परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन राशि:आज दांपत्य रिश्ते के बीच चल रही अनबन खत्म होगी। रिश्तों में मधुरता आयेगी। बिजनेस में किसी काम को लेकर परेशान हो सकते हैं। बच्चे आपसे अपनी बात शेयर कर सकते हैं। आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी काम से आपको अधिक भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। साथ ही कामकाज की व्यस्तता में आपको खाना-पीना बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए।

कर्क राशि:आपका रुझान आज सामाजिक कार्यों की तरफ रहेगा। आज पड़ोसियों के साथ आपकी मीटिंग भी हो सकती है। साथ ही अपने परिवेश में साफ सफाई के मुद्दे पर अपने पड़ोसियों के साथ विचार विमर्श करेंगे। गृहस्थ जीवन खुशहाल रहेगा। आपका स्वाभाव पूर्व की अपेक्षा विनम्र हो जायेगा। बच्चों के भविष्य को लेकर आप किसी अनुभवी से परामर्श लेंगे।

सिंह राशि:आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप मन में चल रही है बातों को किसी के सामने उजागर नहीं होने देंगे, नहीं तो लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। आज आपको लाभ के कुछ अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग बेरोजगार हैं, उन्हें रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों को नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। आज आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

कन्या राशि:आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी होगी। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। कम मेहनत से बड़ी सफलता मिल सकती है। वेब डिजाइनर्स के लिए दिन सर्वोत्तम रहने वाला है। विद्यार्थी पढ़ाई के मामले में अपने दोस्तों से प्रेरित होंगे और अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पित होने का प्रयास करेंगे। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी। लवमेट के साथ शादी फिक्स होने के योग बन रहे है।

तुला राशि:आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। माता-पिता से आप मन में चल रही कुछ बातों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए आज आप उपहार लेकर आ सकते हैं। आप अपने गुरु से करियर के बारे में परामर्श ले सकते है। आज आपके बिजनेस की गति धीमी रहने के कारण आप परेशान रहेंगे।

वृश्चिक राशि: आज अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव आपके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आप अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाये रखेंगे। बायोलॉजी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। टीचर्स का आपको पूरा- पूरा सपोर्ट मिलेगा। माता-पिता के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आज बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होने की उम्मीद है। आप अपनी बात को सही ढंग से रखने में सफल होंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज पैसों से जुड़ा मामला आसानी से सुलझ जायेगा। आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा। आज दिनभर उत्साह और कॉन्फिडेंस रहेगा। आपको कुछ नई चीज़ों से जुड़ाव महसूस होगा। आप धैर्य से काम लेंगे और आप अपनी सभी समस्याओं का हल आराम से ढूंढ निकालेंगे।

मकर राशि: आज आपकी सेहत पहले की अपेक्षा अच्छी रहेगी। आज का दिन खुद में बदलाव लाने के लिए अच्छा है। करियर में आपकी सफलता सुनिश्चित होगी। आज आपको घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी अधूरी इच्छा पूरी होगी। आज आपको उम्मीद से अधिक धन प्राप्त हो सकता है। आपके रुके हुए काम आज जरूर पूरे हो जाएंगे। ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे। जरूरी काम मन- मुताबिक पूरा होने से आप प्रसन्न रहेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन ख़ास रहेगा। आज करियर के मामले में चीजें बेहतर होने के आसार हैं। आप अपना काम अच्छे से पूरा करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आज आपको अपने जीवनसाथी की सेहत के प्रति चिंता हो सकती है। आपको उनका पूरा ध्यान रखना चाहिए। परिवार में आपको सबका सहयोग मिलता रहेगा। आज आप काम बहुत जल्दबाजी में कर सकते हैं। आज आपके सरकारी कार्यों में थोड़ी रुकावट आ सकती है ।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस)

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया।

दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त समाचार

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर जिला प्रशासन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

खूंटी। भारतीय संविधान के निर्माता, महान समाज सुधारक एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर समाहरणालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त आर. रॉनिटा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे,बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री,विधिवेता और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता,स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने एवं समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं कर्मीगण की ओर से बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। इसके पूर्व उपायुक्त आर० रॉनिटा, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप,अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी,जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम,डीसीएलआर अरविंद ओझा,नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी,जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील,कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जमशेदपुर में कांग्रेस ने मनाई डॉ. अंबेडकर जयंती, साकची में प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साकची स्थित पुराना कोर्ट परिसर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परविंदर सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान परविंदर सिंह ने बाबा साहेब के जीवन और योगदान को याद करते हुए कहा कि वे केवल भारतीय संविधान के निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के सशक्त प्रतीक भी थे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन वंचित और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहेब का सपना एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जहां सभी को समान अधिकार और अवसर मिल सके। परविंदर सिंह ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि बाबा साहेब के 'शिक्षा, संगठन और संघर्ष' के सिद्धांतों को अपनाकर ही समाज में व्याप्त भेदभाव और असमानता को समाप्त किया जा सकता है और एक समरस तथा सशक्त समाज का निर्माण संभव है। इस दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को नमन करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला और प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

नहीं रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह मदन मोहन गुप्ता

खूंटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खूंटी जिला कार्यवाह, जिला बौद्धिक प्रमुख, जिला संघ चालक जैसे पद को सुशोभित कर चुके मदन मोहन गुप्ता का सोमवार की रात निधन हो गया। इनके निधन की खबर मिलते पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।। मदन मोहन गुप्ता रामनवमी महासमिति ,गायत्री परिवार सहित कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े थे। मदन मोहन गुप्ता के निधन पर पद्मभूषण कड़िया मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार, प्रियांक भगत, अनूप साहू, सुनील साहू, जितेंद्र कश्यप, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, ओपी कश्यप, संजय साहू, निखिल कंडुलना, संतोष जायसवाल, विनोद जायसवाल सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में पद्मभूषण कड़िया मुंडा ने कहा कि मदन मोहन गुप्ता बहुत ही मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्ति थे। सामाजिक धार्मिक काम में उनकी सहभागिता सदैव बढ़-चढ़ कर रहती थी। उनके निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। मदन मोहन गुप्ता पिछले चार वर्षों से विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित थे।

जन-अधिकारों की रक्षा में बाबा साहब का योगदान अविस्मरणीय : सिंह

» आरएसएस के 'पंच प्रण' के साथ सेवा बस्ती में गूंजा समरसता का स्वर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर 5डी स्थित अंबेडकर कॉलोनी (धोबी मुहल्ला) में मंगलवार को सामाजिक समरसता की एक अनुपम तस्वीर देखने को मिली। अवसर था भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती का, जिसे सामाजिक समरसता मंच (बोकारो महानगर) के बैनर तले हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के 'पंच प्रण' में शामिल 'सामाजिक समरसता' के संकल्प को साकार करते हुए इस वर्ष यह उत्सव सीधे सेवा बस्ती के नागरिकों के बीच आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक ए.के. सिंह, कर्नल शेखावत और महानगर कार्यवाह रतन लाल महतो ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। महाप्रबंधक ए.के. सिंह ने बाबा साहेब को एक प्रखर न्यायविद और महान अर्थशास्त्री बताते हुए कहा कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में उनका योगदान अविस्मरणीय है। वहीं, कर्नल शेखावत ने उपस्थित जनसमूह को प्रेरित करते हुए कहा कि कानून का पालन करना और उसके विरुद्ध कोई कार्य न करना ही बाबा साहेब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आरएसएस के महानगर संपर्क प्रमुख दिनेश्वर सिंह ने बाबा साहेब के शिक्षा और समाज सुधार के दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि जिस प्रकार बाबा साहेब की निष्ठा कानून के प्रति अटूट थी, उसी प्रकार हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता की भावना को और प्रगाढ़ करते हुए स्थानीय नागरिक अवध रजक, शिव प्रसाद, पारस साहनी, बच्चन रजक, लक्ष्मी देवी और कमलदेव बैठा को अतिथियों द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

महानगर सामाजिक समरसता प्रमुख अशोक कुमार के सफल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम का समापन निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि ए.के. वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजन को सफल बनाने में धीरज रजक, चंदन साहनी, जितेंद्र रजक, प्रमोद रजक और आशीष शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर दिनेश्वर सिंह, शशि जी, मनोज रतन पाण्डेय, प्रशांत कुमार, नीरज कुमार और नागेंद्र पुरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

रांची में मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती, संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची में भारतीय एकता कमेटी और एकता भाईचारा पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को करबला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके विचारों और योगदानों को याद किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय संविधान की महत्ता और बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड संख्या 16 के पार्षद सह वार्ड 17 के पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद सलाउद्दीन (संजू) और वार्ड संख्या 15 के पार्षद प्रतिनिधि गुलाम सरवर रिजवी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा निर्मित संविधान के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही युवाओं से शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने देश के महान नेताओं के त्याग और बलिदान को याद करते हुए लोगों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं ने भी सामाजिक समानता, शिक्षा और संविधान के महत्व पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सचिव रामेश्वर राम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मनोज राम, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद उमर, मोहम्मद अशफाक, मोहम्मद यूनुस सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए शिक्षिका रश्मि जैन सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड +2 शिक्षक संघ के सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय, स्वांग की अर्थशास्त्र विषय की शिक्षिका रश्मि जैन को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया है। संघ की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए डॉ. झा ने उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों की सराहना की। सम्मान समारोह के दौरान डॉ. झा ने विशेष रूप से कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में बोकारो जिले में रश्मि जैन द्वारा ई-कंटेंट निर्माण के क्षेत्र में दिए गए बहुमूल्य योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती जैन का समर्पण और कार्यक्षमता नई पीढ़ी के शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए एक प्रेरणा-स्रोत है।

सम्मान पाकर शिक्षिका रश्मि जैन ने झारखंड +2 शिक्षक संघ, बोकारो के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, संरक्षक डॉ. अजय कुमार पाठक और सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने उपस्थित जनों को विश्वास दिलाया कि वे भविष्य में और भी बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध रहेंगी। इस अवसर पर राजेश जैन, कृष्णानंद झा, आर्या झा और स्वर्णलता सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि रश्मि जैन जैसी समर्पित शिक्षिकाओं के प्रयासों से जिले के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और अधिक सुदृढ़ होगी।

बोकारो थर्मल में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ, शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के सिक्स यूनिट स्थित सीआईएसएफ कैंप में मंगलवार को अग्निशमन सेवा सप्ताह का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, विशिष्ट अतिथि जीएम (एचआर) एए कुजूर, डिप्टी कमांडेंट अरुण प्रसाद ई और वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित कर कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अतिथियों ने अग्निशमन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करेगा।

समारोह को संबोधित करते हुए एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने सुरक्षा के प्रति सजगता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ने की आशंका रहती है, इसलिए डीवीसी कर्मियों और कॉलोनी वासियों को बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना अनिवार्य है। डिप्टी कमांडेंट अरुण प्रसाद ई ने अग्निशमन सप्ताह के तकनीकी पहलुओं और शहादत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से ही जान-माल की हानि को न्यूनतम किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन फायर निरीक्षक अम्बरीष कुमार शर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक समादेष्टा अरुण कुमार गिरि ने दिया। इस मौके पर रंजीत कुमार, आशुतोष कुमार, पीके सिंह और सूरज कुमार तिवारी सहित सीआईएसएफ के कई अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

बीएसएल में गूंजी बाबा साहेब की गौरव गाथा, साउंड एंड लाइट शो ने जीवंत किया संघर्ष का इतिहास

» सुदृढ़ सामाजिक न्याय, समानता और बंधुत्व ही सच्ची श्रद्धांजलि : निदेशक प्रभारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतरत्न और भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन की ओर से अत्यंत भव्यता और गौरव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूरा इस्पात नगर बाबा साहेब के आदर्शों और सामाजिक समरसता के रंग में डूबा नजर आया। सुबह के श्रद्धा सुमन अर्पण से लेकर शाम के सांस्कृतिक महोत्सव तक, हर आयोजन में एक सशक्त और समावेशी भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया गया। उत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल सेक्टर-4डी स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर हुआ। बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने अधिशासी निदेशकों और मुख्य महाप्रबंधकों की उपस्थिति में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा अर्पित की। इस दौरान निदेशक प्रभारी ने बाबा साहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उनके विचार और मूल्य आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, समानता और बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

जयंती समारोह की संध्या बोकारो क्लब में एक ऐतिहासिक अनुभव में बदल गई। यहां भिलाई से आए विख्यात समूह शिप्रा कम्युनिकेशन की ओर से बाबा साहेब के जीवन संघर्षों पर आधारित एक विशेष साउंड एंड लाइट शो प्रस्तुत किया गया। अत्याधुनिक तकनीक और भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से बाबा साहेब के बचपन से लेकर संविधान निर्माण तक के सफर को जीवंत रूप में दर्शाया गया। प्रकाश और ध्वनि के इस अनूठे संगम ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और बाबा साहेब के ऐतिहासिक योगदान को नए परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया।

इस भव्य आयोजन में निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन के साथ-साथ बीएसएल के सभी अधिशासी निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी अपने परिजनों के साथ उपस्थित रहे। दर्शकों की भारी भीड़ ने इस सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि बाबा साहेब के आदर्श केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए आज भी ऊर्जा के मुख्य स्रोत हैं।

राज्यपाल से नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर सरोज शर्मा ने की मुलाकात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। राज्यपाल ने कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय राज्य का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों तथा यहां के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, विद्यार्थियों ने गीतों और विचारों से दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्थित सरस्वती विद्या मंदिर 3सी के विशाल प्रांगण में भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कक्षा अष्टम की छात्रा पूनम दुबे ने एक मनमोहक गीत प्रस्तुत किया, वहीं कक्षा दसवीं की छात्रा अनन्या चौहान ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों अमृत, प्रेरणा, सत्यम, पूनम, सुप्रिया और अनुष्का ने बाबा साहेब की जीवनी और उनके संघर्षपूर्ण जीवन पर अपने प्रभावशाली विचार साझा किए, जिससे उपस्थित सभी लोग प्रभावित हुए।

मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ आचार्य मनोज कुमार पाठक ने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व, कृतित्व और संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बाबा साहेब के शिक्षा के प्रति समर्पण से सीख लेने को कहा। वहीं वरिष्ठ आचार्य शंभू कुमार ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के लेखन की महत्ता बताते हुए कहा कि उनका साहित्य केवल एक वर्ग विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के दार्शनिक, ऐतिहासिक और आर्थिक विकास के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रकाशित उनकी रचनावली डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेस का भी विशेष उल्लेख किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन आचार्य धर्मेंद्र कुमार यादव के मार्गदर्शन में छात्र अंकुश कुमार सिंह और निशांत कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य और दीदी जी उपस्थित रहे।

भाकपा कार्यालय में बाबा साहेब की जयंती पर जुटे कार्यकर्ता, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का लिया संकल्प

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) कार्यालय में मंगलवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। राजकिशोर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामेश्वर साव ने कहा कि बाबा साहेब पूरे मानवता के मसीहा थे और उनके द्वारा रचित संविधान ही आज देश की एकता और अखंडता का मुख्य आधार है। वक्ताओं ने उनके संघर्षों को याद करते हुए शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के नारे को आत्मसात करने पर बल दिया।

समारोह के दौरान जानकी महतो और शाहजहां ने कहा कि दबे-कुचले वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए डॉ. अम्बेडकर का दिखाया मार्ग आज भी प्रासंगिक है और उनके संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना हम सभी का साझा उत्तरदायित्व है। नवीन कुमार पाठक ने भी युवाओं से बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर धुर्वा मांझी, जहरू उरांव, अमृत महतो, रामचंद्र ठाकुर, कोमल महतो, रेवतलाल महतो, अनिल घासी, गणेश घांसी, पप्पू शर्मा, बंकिम चंद्र राय और जॉन तिर्की सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुपन समाज द्वारा आयोजित जयंती समारोह में उमड़ी भीड़-इसी कड़ी में बोकारो थर्मल भाकपा कार्यालय में सुपन समाज की ओर से भी डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती उल्लास के साथ मनाई गई। राजकिशोर सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुकेश घांसी और अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सरजू रजक व गणेश राम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया बबलू सिंह और कांग्रेस नेत्री सुषमा कुमारी ने शिरकत की। समाज के मुखिया प्रदीप राम के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में बबन राम, दीपक राम, शिव राम, संजय राम, प्रकाश राय और सागर उर्फ टिंकू सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त समाचार

सीएमओ ने किया सीएचसी का निरीक्षण, गंदगी मिलने पर जताई नाराजगी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एनबी सिंह ने सोमवार को चिनहट सामुदायिक स्वास्थ्य (सीएचसी) केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सभी वार्डों में पीने के पानी से लेकर ओटी, जनरल वार्ड और इमरजेंसी तक के इंतजाम देखे। प्रसूताओं से बात कर इलाज संबंधी जानकारी हासिल की। निरीक्षण में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। इससे पहले 16 मार्च को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चिनहट सीएचसी का औचक निरीक्षण किया था। वहां उन्हें ढेरों खामियां मिली थीं। इसके बाद कमिश्नर ने भी अस्पताल का जायजा लिया था। गड़बड़ी मिलने के बाद तत्कालीन सीएचसी अधीक्षिका डॉ. ज्योति कांबले का तबादला किया गया था। सीएमओ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सीएचसी में व्यवस्थाएं पहले से बेहतर पाई गईं। स्टाफ की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता और पेयजल व्यवस्था में सुधार दिखा है। कहा कि सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। इस संबंध में कार्यदायी संस्था को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुनर्मतगणना में सुमित मिश्रा और अंशुमान पाठक विजयी

गोरखपुर , एजेंसी। बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट की कार्यकारिणी चुनाव में उपाध्यक्ष के दो पदों पर सोमवार को पुनर्मतगणना की गई। इसके बाद परिणाम घोषित किए गए। इस पुनर्मतगणना में सुमित कुमार मिश्रा और अंशुमान पाठक को विजयी घोषित किया गया। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन राधेश्याम पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि उपाध्यक्ष (10 वर्ष से नीचे) के दो पदों पर सुमित कुमार मिश्रा को 835 मत तथा अंशुमान पाठक को 764 मत प्राप्त हुए। इसी आधार पर दोनों को विजेता घोषित किया गया। मतगणना के दौरान एल्डर्स कमेटी के सदस्य हरिप्रकाश मिश्र, महेंद्र प्रताप सिंह, नरसिंह शर्मा और रामजीत यादव उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमापति उपाध्याय, मंत्री अनुज अस्थाना, कोषाध्यक्ष प्रवीण शुक्ल, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) आशुतोष दुबे सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं सुभाष शुक्ल, रमेश राय, अनूप पांडेय, सुभाष चंद्र सिंह, मोहम्मद अहमद, हरिनारायण दुबे, कृष्ण मोहन शाही और प्रभात शुक्ला समेत कई अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

29.90 लाख वोटर तय करेंगे प्रत्याशियों का भविष्य

गोरखपुर।, एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची लगभग तैयार हो गई है। अनंतिम सूची के प्रकाशन के बाद आई आपत्तियों की हुई सुनवाई में करीब 2500 मतदाता बढ़ गए हैं। अब जिले में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 29.90 लाख हो गई है जो प्रत्याशियों का भविष्य तय करेंगे। सूची का अंतिम प्रकाशन 22 अप्रैल को होगा। निर्वाचन कार्यालय की सूची के मुताबिक जिले में करीब 67500 मतदाता बढ़ गए हैं। जिले में 1273 ग्राम पंचायतों में 1901 बीएलओ को लगाकर मतदाता सूची का सत्यापन कराया गया। कुल 29,23715 मतदाता थे, जांच में 1,36,832 डुप्लिकेट मतदाता मिले, जिनका नाम सूची से हटा दिया गया। सबसे ज्यादा भटहट ब्लॉक में 11451 और सबसे कम सरदारनगर में 789 मतदाता बढ़े हैं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जेएन मौर्या ने बताया कि मतदाता सूची तैयार कर ली गई है। 22 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

आजमीन-ए-हज अब अपनी सुविधा के अनुसार फ्लाइट का विकल्प चुन सकेंगे

गोरखपुर, एजेंसी। हज-2026 के लिए चयनित आजमीन-ए-हज अब अपनी सुविधा के अनुसार फ्लाइट का विकल्प चुन सकेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने इसके लिए ऑनलाइन फ्लाइट बुकिंग की व्यवस्था शुरू कर दी है, जो 15 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी। समिति ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही यात्रियों को अपना विकल्प चुनना होगा। इस वर्ष गोरखपुर से करीब 130 आजमीन-ए-हज का चयन हुआ है, जो हज यात्रा पर जाएंगे। ऐसे में जिले के यात्रियों के लिए यह सुविधा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि अब वे अपनी सुविधा और यात्रा तिथि के अनुसार फ्लाइट का चयन कर सकेंगे। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई के निर्देश पर शुरू की गई इस व्यवस्था के तहत यात्रियों को विभिन्न फ्लाइट विकल्प दिए गए हैं। हालांकि, समिति ने साफ किया है कि फ्लाइट चयन के समय पूरा भुगतान करना अनिवार्य होगा। भुगतान के बाद ही बुकिंग मान्य होगी और यात्रियों को एक रसीद जारी की जाएगी, जिसे यात्रा के दौरान आवश्यक दस्तावेजों के साथ रखना होगा।अधिकारियों का कहना है कि इस नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार यात्रा तय करने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश से इस वर्ष लगभग 18 हजार से अधिक यात्रियों का चयन हुआ है, जिससे व्यवस्थाओं को और व्यवस्थित करने पर जोर दिया जा रहा है। हज समिति ने सभी चयनित आजमीन-ए-हज से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते वेबसाइट पर जाकर फ्लाइट विकल्प का चयन कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या अन्य परेशानी से बचा जा सके।

योगी कैबिनेट के मंत्री बोले- साजिश के तहत नोएडा में भड़का विवाद

पाकिस्तान कनेक्शन की भी हो रही जांच

लखनऊ, एजेंसी। नोएडा में हिंसा को उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सुनियोजित साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना प्रदेश के विकास और शांति व्यवस्था को बाधित करने के उद्देश्य से कराई गई प्रतीत होती है। पिछले दिनों मेरठ और नोएडा से चार संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके तार पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स से जुड़े थे। ऐसे में प्रदेश में अस्थिरता फैलाने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोमवार को मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम को विफल करने के इरादे से भी इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया गया हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर देश विरोधी ताकतें इस तरह के षड्यंत्र रच रही हैं।

श्रम मंत्री ने श्रमिकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी भ्रामक सूचना या बहकावे में न आएं और शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि अराजकता और उग्र आंदोलन किसी समस्या का समाधान नहीं हैं। सरकार आपकी हर बात सुनने के लिए तैयार है।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों को नोएडा भेजा गया है, जो श्रमिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं। पहले से भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

अनिल राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और सरकार उनके हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्रमेव जयते के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए सरकार लगातार श्रमिक कल्याण के लिए काम कर रही है।

उन्होंने दोहराया कि सरकार श्रमिकों की मांगों को लेकर संवेदनशील है और हर स्तर पर समाधान के लिए प्रयासरत है। साथ ही उन्होंने श्रमिकों से आग्रह किया कि वे संवाद का रास्ता अपनाएं और प्रदेश के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाते रहें।

गौतमबुद्ध नगर में औद्योगिक श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को लेकर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकार ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि नंदी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से जुड़े अराजक तत्व समय-समय पर ऐसे प्रदर्शनों की आड़ में प्रदेश की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर अफवाह फैलाकर श्रमिकों को उकसाने में उनकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि प्रकरण की जांच के लिए औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का एक पैनल गठित किया गया है। मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश का औद्योगिक परिवेश एक आदर्श के रूप में उभरा है।

सरकार के लगातार प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज देश के ग्रोथ इंजन के रूप में पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के साथ-साथ औद्योगिक श्रमिकों और कामगारों के हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। गौतमबुद्ध नगर की घटना को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर बताया।

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि नोएडा में वेतन बढ़ाने को लेकर उग्र हुए आंदोलन का कारण भाजपा सरकार की एकतरफा नीति है, जो पूंजीपतियों का पोषण करती है, लेकिन कर्मचारियों और वेतनभोगी श्रमिकों-मजदूरों का शोषण। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग चंदा देने पूंजीपतियों के एटीएम में तो पैसे भरते जा रहे हैं, लेकिन श्रमिकों के वेतन के लिए इनके एटीएम खाली हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि बेतहाशा महंगाई के इस दौर में कम वेतन में घर चलाना कितना मुश्किल है, ये एक परिवार वाला ही समझ सकता है।

नोएडा में हुए बवाल के बाद पूरे एनसीआर में हाईअलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय स्तर से हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की अराजकता को रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने 50 से अधिक ऐसे संदिग्ध अकाउंट चिन्हित किए हैं, जिनसे भड़काऊ पोस्ट और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की जा रही थीं।

इन अकाउंट्स के जरिए माहौल बिगाड़ने की सुनियोजित कोशिश की आशंका जताई गई है। ये एकाउंट बीते 24 घंटे के भीतर बनाए गए हैं। मामले की जांच एसटीएफ को सौंप दी गई है, जो इन सभी अकाउंट्स के डिजिटल ट्रेल खंगाल रही है।

डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक जो अकाउंट चिन्हित किए गए हैं वह लगातार श्रमिक आंदोलन से जुड़े भ्रामक नैरेटिव को बढ़ावा दे रहे थे। ऐसे में इनकी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी ने नोएडा के सभी पुलिस अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर निर्देश दिए। स्पष्ट कहा है कि अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई करें। श्रमिकों से संवाद स्थापित करें, जिससे किसी तरह की स्थिति न बिगड़े।

नजरबंद होने पर भाकियू ने सीएम के नाम ज्ञापन दिया

मेरठ , एजेंसी। भाकियू संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष ठाकुर नवनीत चौहान व भाकियू अराजनीतिक के नगर अध्यक्ष सुरेंद्रपाल सिंह चौहान को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। इस कारण वह किसानों की समस्याओं के संबंध में मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने नहीं जा सके। अधिकारियों ने दोनों संगठनों के पदाधिकारियों से मुख्यमंत्री के नाम मवाना में ज्ञापन लिए।

नवनीत चौहान कार्यकर्ताओं के साथ अपने आवास से जुलूस के रूप में मवाना तहसील पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम सीओ पंकज लवानिया और नायब तहसीलदार राहुल मलिक को नौ सूत्रीय ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में पवन चौहान, गोपाल चौहान, अनुभव चौधरी, शनि प्रताप, मोहित गुर्जर, बिजेंद्र प्रजापति, विकास कश्यप, मुकुल चौहान, धूप सिंह आदि रहे।

वही, सुरेंद्रपाल सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय पर तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। पूर्व जिला महासचिव कुश चौधरी को पुलिस ने गांव तिगरी, तहसील प्रभारी विपुल चौधरी को गांव भैंसा में नजरबंद किया। ज्ञापन के समय दोनों को पुलिस कार्यालय पर लेकर पहुंची। ज्ञापन देने वालों में जयविंद्र चौधरी, नीटू चौधरी, विक्रांत चौहान, जावेद चौधरी, संजीव चौहान, अरुण भाटी, नितिन चौहान, अंकित धामा, शहजाद राजपूत आदि रहे।

अंबेडकर जयंती पर सेवा पटना का भव्य आयोजन, शिक्षा और समानता पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

पटना : 14 अप्रैल 2026 को सेवा पटना द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गणमान्य अतिथियों, बैंक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री संजय पासवान रहे, जबकि भारतीय स्टेट बैंक पटना सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी और सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल कुमार मांझी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्मी नारायण पासवान के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने अंबेडकर के शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में जीतन राम मांझी ने अंबेडकर को आधुनिक भारत का शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनका जीवन वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अनुसूचित जाति-जनजाति में कम साक्षरता दर और देश में गरीबी को बड़ी चुनौती बताते हुए युवाओं से शिक्षा के माध्यम से बदलाव लाने का आह्वान किया तथा कॉमन स्कूल सिस्टम लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संजय पासवान ने "शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो" के संदेश को आज के समय में प्रासंगिक बताते हुए सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ संजय वाल्मीकि ने भी अंबेडकर के जीवन संघर्ष को प्रेरणास्रोत बताते हुए विद्यार्थियों को उनसे सीख लेने की सलाह दी। अनुराग जोशी ने अपने संबोधन में समावेशी विकास, वित्तीय सशक्तिकरण और शिक्षा को अंबेडकर के सपनों का आधार बताया और बैंक द्वारा चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय स्टेट बैंक की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत इंद्र प्रसाद सिंह गंगास्थली उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय, पटना की 150 से अधिक छात्राओं को स्कूल किट और अध्ययन सामग्री वितरित की गई, जिसे अतिथियों ने सराहनीय पहल बताया। विवेक चंद्र जायसवाल और अमरेश विक्रमादित्य ने भी अपने विचार रखते हुए सामाजिक न्याय और समान अवसरों की अवधारणा पर बल दिया। अमरेश विक्रमादित्य ने बैंक कर्मियों के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर केंद्र सरकार से पहल करने का आग्रह भी किया। कार्यक्रम का संचालन जय कुमार चौधरी ने किया, जबकि अंत में लिवांस जोजो ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन का समापन अंबेडकर के आदर्शों को आगे बढ़ाने और समतामूलक समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर दिल्ली हाईकमान को भेजी जाएगी रिपोर्ट

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सबको साधेगी। बीते दो दिन से भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के राजधानी आगमन के दौरान ताबड़तोड़ बैठकों में तय हुआ कि सामाजिक ताना-बाना दुरुस्त करने के लिए छूटी जातियों को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। जिन वर्गों की हिस्सेदारी कम है, उसे बढ़ाया जाएगा। पदाधिकारियों को सरकार, संगठन और आयोग-निगम, बोर्डों में समायोजित किया जाएगा।

बीते दो दिन से विनोद तावड़े के आगमन के बाद भाजपा में चल रही गहमागहमी सोमवार को समाप्त हो गई। विनोद तावड़े दिल्ली रवाना हो गए, जहां पार्टी हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे। इसके आधार पर ही समायोजित होने वाले पदाधिकारियों के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। दरअसल, बैठकों में हुए मंथन में सूबे के सामाजिक समीकरणों को लेकर चिंता उभरी, जिसके बाद विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने से पहले सबको साधने का फैसला किया गया है।

पार्टी इसका विस्तृत रोडमैप तैयार करने में जुटी है। विनोद तावड़े का दो दिवसीय लखनऊ दौरा भी इसी कवायद का हिस्सा था। तावड़े ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई अन्य नेताओं से मुलाकात की, इस दौरान सरकार और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। योगी समेत वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट फिर तेज हो गई। तावड़े ने पूर्व डिप्टी सीएम एवं राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से भी मुलाकात कर सुझाव और फीडबैक लिया।

वहीं रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक के अलावा तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्षों भूपेंद्र चौधरी, सूर्यप्रताप शाही और रमापति राम त्रिपाठी, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और पूर्व मंत्री डा. महेंद्र सिंह से मुलाकात की थी।

लोगों के लिए जी का जंजाल बन रहा प्रीपेड मीटर, उपभोक्ताओं का उपकेंद्र पर कब्जा; कर्मचारी बंधक

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में कांशीराम कॉलोनी सहित आसपास के करीब 600 लोगों ने सोमवार को लौलाई उपकेंद्र पर नौ घंटे तक कब्जा रखा। प्रदर्शनकारी प्रीपेड मीटर हटाने और 350 घरों की कटी बिजली चालू करने की मांग कर रहे थे। इस दौरान कर्मचारियों से झड़प भी हुई।

इस पर लोगों ने कर्मियों को उपकेंद्र के अंदर बंधक बना दिया। पुलिस ने नियंत्रित करने का प्रयास किया तो उनसे भी नोकझोंक हुई। सुबह 10:30 बजे उपकेंद्र पर पहुंचे उपभोक्ता शाम 7:30 बजे तक डटे रहे।

प्रदर्शन कर रहे अजीज, राजवीर आदि ने बताया कि शनिवार को घेराव करने पर प्रीपेड मीटर हटाने का आश्वासन दिया गया था, पर ऐसा किया नहीं गया। इस कारण सोमवार को 100 रुपये के बकाये पर बिजली कट गई। इसके विरोध में महिलाएं, पुरुष व बच्चों ने उपकेंद्र पहुंचकर चारों ओर से डेरा डाल दिया।

सड़क किनारे टेंट लगाकर महिलाओं ने शाम तक प्रीपेड मीटर हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन, नारेबाजी की। इस बीच बातचीत के लिए पहुंचे कमता के एसडीओ ने मीटर हटाने से असहमति बताई तो लोग उग्र हो गए। एसडीओ दोबारा वार्ता करने का बहाना बनाकर निकल गए।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि शाम 6:30 बजे विधायक योगेश शुक्ला पहुंचे। उन्होंने समस्याएं सुनीं और बिजली विभाग के जिम्मेदारों को समाधान का निर्देश देकर चले गए। बड़े अभियंताओं के मौके पर न जाने पर विधायक नाराज भी हुए।उधर, अधीक्षण अभियंता प्रेमलता ने बताया कि पूरी टीम धरनास्थल पर पहुंची और शीर्ष प्रबंधन से बात की गई। बिना बकाया जमा किए बिजली को जोड़ना संभव नहीं है। प्रबंधन के निर्देश पर ही कार्रवाई की जाएगी।प्रदर्शनकारी अजीज ने चेतावनी दी कि मंगलवार सुबह 11 बजे से लोग फिर उपकेंद्र का घेराव करेंगे। इस दौरान मुख्य अभियंता सुशील गर्ग पीड़ितों की समस्याएं सुनेंगे।

जरकीन-सिल्क के लहंगे दुल्हन की पहली पसंद

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर के बाजारों में इन दिनों दुल्हनों के लिए खास लहंगों की मांग तेजी से बढ़ रही है। रानी कलर, जरकीन और सिल्क के लहंगे दुल्हनों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। दुकानों पर इनकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है, जिससे व्यापारियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है।

लहंगों की कीमत 10 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक बताई जा रही है, जो डिजाइन और काम के अनुसार तय होती है। खास तौर पर रानी कलर और रानी महरूम शेड के लहंगे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा सिल्क साड़ियां और रेडीमेड ब्लाउज वाली साड़ियां भी महिलाओं को खूब आकर्षित कर रही हैं।

ये 15 सौ से पांच हजार रुपये तक की कीमत में उपलब्ध हैं। बाजार में इनकी भी अच्छी-खासी डिमांड बनी हुई है। व्यापारी प्रेम अरोरा ने बताया कि इस समय बाजार में रानी कलर, रानी महरूम, जरकीन और सिल्क लहंगों की मांग सबसे ज्यादा है। ये लहंगे खासतौर पर कोलकाता और जयपुर से मंगवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जरकीन लहंगा तैयार करने में लगभग एक सप्ताह का समय लगता है, क्योंकि इसमें बारीक और आकर्षक कारीगरी की जाती है।

राजपुर इंडस्ट्रियल सिटी में विकसित होगी आवासीय टाउनशिप

20 दिन में संस्था द्वारा ड्रोन सर्वे शुरू कराया जाएगा

अलीगढ़ , एजेंसी। खैर रोड पर विकसित होने जा रही राजपुर इंडस्ट्रियल सिटी में आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसके लिए 20 दिन में संस्था द्वारा ड्रोन सर्वे शुरू कराया जाएगा। संस्था के चयन के लिए टेंडर निकाला गया है। 3355 एकड़ में विकसित होने वाली इस परियोजना का एडीए पहले ही डी-मार्केशन कर खतौनी आदि एकत्रित कर चुका है।

अलीगढ़-पलवल नेशनल हाईवे पर खैर और जट्टारी के बीच में अलीगढ़ विकास प्राधिकरण इंडस्ट्रियल सिटी विकसित करने जा रहा है, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। एडीए के अधीन कार्य करने वाली केपीएमजी संस्था इस प्रोजेक्ट में पूरी मदद कर रही। टीम द्वारा चयनित भूमि का अधिकारियों के साथ मिलकर डी-मार्केशन किया जा चुका है। इस परियोजना में इंडस्ट्रियल टाउनशिप के साथ रेजीडेंसियल इंट्रीग्रेटेड टाउनशिप भी विकसित की जाएगी। यही नहीं इसमें किसानों के लिए लैंड पूलिंग की भी स्वीकृति दी जाएगी।

जिन-जिन किसानों की लैंड पूलिंग होगी, उन्हें एडीए इंट्रीग्रेटेड टाउनशिप में विकसित कर प्लाट उपलब्ध कराएगा। इसमें देश-विदेश की कंपनियां आ रही हैं। कुछ कंपनियों ने अपना प्रपोजल भी दे रखा है। इस परियोजना पर करीब 3,940 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जिसमें से 100 करोड़ रुपये की मंजूरी भी मिल चुकी है।

परियोजना में आंशिक रूप से आ रहा गांव नारायनपुर और सोफा : राजपुर इंडस्ट्रियल सिटी में गांव नारायनपुर और सोफा का आंशिक हिस्सा आ रहा है। राजपुर गांव का लगभग 85 फीसदी क्षेत्र इस परियोजना में शामिल हो रहा है। यह इंडस्ट्रियल क्षेत्र अलीगढ़-पलवल रोड पर स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा अलीगढ़ से हरियाणा को निकलने वाले एक और नेशनल हाईवे के साथ यमुना एक्सप्रेस-वे और जेवर एयरपोर्ट के समीप हैं। जिसके कारण इसका विकास तेजी से होगा और दूर-दराज की कंपनियां यहां आएंगी।

राजपुर इंडस्ट्रियल सिटी विकसित की जा रही है। डी-मार्केशन और कागजी कार्रवाई की जा चुकी है। 3355 एकड़ की इस परियोजना का 20 दिन में संस्था का चयन कर ड्रोन सर्वे कराया जाएगा।

- कुलदीप मीणा,
उपाध्यक्ष, अलीगढ़, विकास प्राधिकरण

संक्षिप्त समाचार

बालेन्द्र सरकार ने बनाया नेपाल को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' के रूप में आगे बढ़ाने का मसौदा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देश को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' के रूप में रूपांतरित करने वाली कूटनीति और विदेश संबंधों का प्रस्ताव रखते हुए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का मसौदा प्रस्तुत किया है। संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले 6 राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों को मिलाकर तैयार इस मसौदे में त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और कनेक्टिविटी के माध्यम से राष्ट्रीय हित सुनिश्चित करने का उल्लेख किया गया है। मसौदे में कहा गया है कि नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए देश को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' में परिवर्तित किया जाएगा। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखते हुए बदलती वैश्विक भू-राजनीति और पड़ोसी शक्तियों के उदय को विकास के अवसर में बदलने के लिए 'संतुलित और गतिशील कूटनीति' अपनाई जाएगी। मसौदे में नेपाल के कूटनीतिक मिशनों के कार्य और जिम्मेदारियों का मूल्यांकन करने के लिए वैज्ञानिक 'परफॉर्मेंस ऑडिट' प्रणाली लागू करने की बात भी कही गई है। इसके साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि नेपाल किसी भी सैन्य गठबंधन, हथियारों की दौड़ और युद्ध को शांति के लिए बाधक मानते हुए सभी देशों के साथ समान दूरी और समान निकटता की नीति अपनाएगा। मसौदे के अनुसार समूची कूटनीति के केंद्र में 'नेपाल प्रथमः नेपाली प्रथम' की अवधारणा को रखा जाएगा। आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ 'सगरमाथा संवाद' जैसे कार्यक्रमों को निरंतरता दी जाएगी। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, पर्वतीय मुद्दों और भूपरिवेष्ठित देशों के साझा हितों के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेपाल की आवाज को सशक्त रूप से उठाने की भी बात कही गई है।

डेमोक्रेट सांसद एरिक स्वॉलवेल पर यौन उत्पीड़न का आरोप, देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि एरिक स्वॉलवेल ने सोमवार को कहा कि वे कांग्रेस से इस्तीफा देंगे। उन पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। वह कैलिफोर्निया के 14वें निर्वाचन क्षेत्र से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा, "मुझे और अन्य सदस्यों को तत्काल निष्कासित करने की प्रक्रिया चल रही है। आरोप लगने के कुछ ही दिनों में निष्कासित करना गलत है। बावजूद इसके मैंने नैतिकता के आधार पर कांग्रेस से इस्तीफा देने का फैसला किया है।" सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्तीफा देने के फैसले की घोषणा के साथ स्वॉलवेल का राजनीतिक जीवन पूरी तरह से ढह गया। लगभग चार महिलाओं ने उन पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। इन आरोपों में बलात्कार, अश्लील संदेश और नग्न तस्वीरें भेजना शामिल है। इस कांग्रेसी नेता ने रविवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए अपना चुनाव अभियान भी समाप्त कर दिया। अपने इस्तीफे की घोषणा में स्वॉलवेल ने अतीत में निर्णय लेने में हुई गलतियों के लिए माफी मांगी, साथ ही आरोपों का सामना करने का संकल्प भी लिया। एक पीड़ित महिला के बारे में पिछले शुक्रवार को सैन फ़्रांसिस्को क्रॉनिकल में छपी रिपोर्ट से आहत स्वॉलवेल ने कहा, "फिर भी मैंने जो गलतियां की हैं, उनके लिए मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी और उन्हें स्वीकार करना होगा।" महिला ने स्वॉलवेल पर आरोप लगाया कि 2019 और 2024 में वह बहुत ज्यादा नशे की हालत में थी। वह सहमति देने की स्थिति में भी नहीं थी। तब स्वॉलवेल ने उसके साथ यौन संबंध बनाए। इसके बाद तीन अन्य महिलाओं ने भी स्वॉलवेल के कथित यौन दुर्व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया। द्विदलीय हाउस एथिक्स कमेटी ने स्वॉलवेल के इस्तीफा देने की घोषणा से पहले कहा था कि वह स्वॉलवेल के खिलाफ जाँच कर रही है। स्वॉलवेल के इस्तीफे के साथ ही यह जांच बंद हो जाएगी। स्वॉलवेल का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब आरोपों के सामने आने के बाद कांग्रेस में उनके कुछ सबसे करीबी सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। स्वॉलवेल के करीबी एरिजोना के डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो ने कहा कि उन्हें निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। गैलेगो ने कहा, "मैंने जिस व्यक्ति पर भरोसा किया। जिसे मित्र माना। वह खराब आदमी निकला।"

गौपालन में गिरावट से बढ़ी कृषि लागत और उर्वरता संकटः नवल किशोर

देहरादून। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में लगातार गिरावट के चलते किसानों की कृषि लागत बढ़ रही है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ने से भूमि की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गौवंश संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने की जरूरत है। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर मंगलवार को यहां तिलक रोड पर आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'गौवृत्ति परिवार' मॉडल को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में देश में केवल करीब 15 प्रतिशत गौवंश ही किसानों के पास है, जबकि 85 प्रतिशत गायें गौशालाओं में सरकार और सामाजिक संस्थाओं के भरोसे हैं। इस व्यवस्था से सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौपालन समाज की जिम्मेदारी बने बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में आई गिरावट ने कृषि लागत बढ़ा दी है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ाकर भूमि की उर्वरता को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जैविक खाद, पंचगव्य और अन्य गौ-उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हो सकते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन भारत में गाय अर्थव्यवस्था की आधारशिला थी, लेकिन औपनिवेशिक नीतियों ने इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। अब समय आ गया है कि समाज फिर से इस परंपरा को मजबूत करे। बैठक में धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी जैसे पर्व केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने गौपूजा, गौकथा और जनजागरण अभियानों के जरिए इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। बैठक में उत्तराखंड गौसेवा संयोजक धर्मवीर, विभाग प्रचारक धन्नजय, विभाग कार्यवाह अरुण, जोत सिंह, ललित बडाकोटी, दीपेन्द्र त्रिपाठी सहित कई गणमान्य नागरिक और गौसेवा से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, बस की केमिकल से भरे ट्रक से टक्कर, तीन की मौत

अलवर (राजस्थान)। अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। इस हादसे में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। यह हादसा राजगढ़ थाना क्षेत्र के पिनान स्थित चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया के पास इंदौर से दिल्ली जा रही एक ट्रेवल बस के आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक से टकराने से हुआ। मृतकों में बस चालक, एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही एनएचआई ए की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए पिनान के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अलवर और जयपुर रेफर किया गया है। थानाधिकारी राजेश मीणा ने बताया प्रारम्भिक सूचना में ड्राइवर के नींद आने से हादसा हुआ है।

उत्तराखंड से मानसरोवर की यात्रा जल्द कर सकेंगे श्रद्धालुः गडकरी

एजेंसी, देहरादून

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब 52 सौ करोड़ रूपये की लागत से टनकपुर-पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी.का कार्य पूरा हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कररहे थे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने उत्तराखंड में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारी है। सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन सड़क का उद्घाटन जून में होगा, जबकि 1650 करोड़ रुपये की लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोरलेन मार्ग अगले महीने तक शुरू हो जाएगा। दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर राज्य के विकास को नई गति देगा। उन्होंने बताया कि 16 सौ करोड़ रुपये की लागत से हरिद्वार ग्रीनफील्ड बाईपास फेज-1 अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश में जाम की समस्या कम होगी।

> ♦ दिल्ली–दून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह को गडकरी ने किया संबोधितउत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारीः गडकरी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी तरह 12 हजार करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी.का काम पूरा हो चुका है। बताया कि 11 सौ करोड़ रुपये की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू होगा।

इसके अलावा 1050 करोड़ रुपये की लागत से 21 किमी लंबा रुद्रपुर फोरलेन बाईपास इस साल अक्टूबर तक और 936 करोड़ रुपये की लागत से 15 किमी लंबा काशीपुर बाईपास दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किमी लंबा देहरादून-झाझरा-आशारोड़ी एलिवेटेड रोड अगले वर्ष अप्रैल तक और 745 करोड़ रुपये की लागत से भानियावाला-जौलीग्रांट से ऋषिकेश फोरलेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा। साथ ही 8 सौ करोड़ रुपये की लागत से श्रीनगर में टू-लेन बाईपास की डीपीआर तैयार की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 13 सौ करोड़ की लागत से रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक सड़क कार्य दिसंबर 2026 से शुरू होगा। इसके साथ-साथ गंगोत्री धाम जाने के लिए 142 किमी का काम पूरा हुआ है और बाकी 100 किमी. का काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है। यमुनोत्री धाम में 25 सौ करोड़ की लागत से धरासू से यमुनोत्री तक 46 किमी. का काम पूरा हो चुका है और 30 किमी. का काम अप्रैल, 2028 तक पूरा हो जाएगा।

नोएडा में दूसरे दिन भी बवाल पुलिस से झड़प, पथराव

एजेंसी, नई गौतमबुद्धनगर

नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2–3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया।

फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और RAF की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं।

DGP राजीव कृष्ण लखनऊ के कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे। कहा- क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा अब तक 300 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। अफवाह फैलाने वाले कुछ ग्रुप आइडेंटिफाई किए गए हैं। कुछ ऐसे लोग हैं, जो

> ♦ 15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे, राहुल बोले- ये श्रमिकों की आखिरी चीख

अलग-अलग जगहों पर भी पाए गए हैं। 50 X हैंडल के जरिए हिंसा के लिए उकसाया गया।

इधर, यूपी सरकार ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर कमेटी की सिफारिशों पर मुहर लगा दी।

पाकिस्तान में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में 331 बच्चे HIV पॉजिटिव पाए गए। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। BBC की रिपोर्ट में पाया गया कि THQ ताउंसा अस्पताल में सिरिंज दोबारा इस्तेमाल हो रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। मामले का खुलासा आठ साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी HIV पॉजिटिव है। मां का कहना है कि बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से HIV हुआ।

BBC की जांच में 32 घंटे की अंडरकवर रिकॉर्डिंग की गई। इसमें 10 बार देखा गया कि सिरिंज को मल्टी-डोज वायल में दोबारा इस्तेमाल किया गया। इनमें से चार मामलों में उसी दवा को दूसरे बच्चों को दिया गया। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ अहमद ने वीडियो देखने के बाद कहा कि सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को ट्रांसफर कर सकता है, भले ही नई सुई लगा दी जाए।

> ♦ 8 साल के बच्चे की मौत के बाद खुलासा, सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल से फैला संक्रमण

हिमाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराईः जयराम ठाकुर

एजेंसी, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सरकाघाट में 19 वर्षीय छात्रा की निर्मम हत्या की घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह घटना हिमाचल प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कमजोरी का गंभीर संकेत है और इससे पूरे प्रदेश में डर का माहौल बना हुआ है। शिमला में मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान जयराम ठाकुर ने कहा कि कॉलेज जा रही एक 19 वर्षीय छात्रा पर एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने प्रदेश के लोगों को झकझोर दिया है और खास तौर पर महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। उनके अनुसार यह केवल एक सामान्य आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली गंभीर घटना है। जयराम ठाकुर ने बताया कि वह खुद पीड़ित परिवार से मिले और उनकी पीड़ा को करीब से महसूस किया। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता, जो निजी वाहन चालक हैं, गहरे सदमे में हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुबह पिता ने बेटी से बात की थी और कुछ ही घंटों बाद उन्हें उसकी हत्या की खबर मिली, जो बेहद दुखद और हृदय विदारक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस मामले की गहराई से जांच होना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आरोपी अकेला था या इसके पीछे कोई और भी कारण या साजिश हो सकती है, इसकी पूरी जांच की जानी चाहिए।

जयराम ठाकुर ने इस घटना को प्रदेश में बढ़ते नशे के मामलों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि आरोपित के नशे में होने की बात सामने आ रही है, जो राज्य में फैल रहे नशे के खतरे की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ अभियान चलाने का दावा करती है, लेकिन जमीन पर हालात चिंताजनक हैं। उनके अनुसार पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में एनडीपीएस के 6200 से ज्यादा मामले सामने आए हैं और 66 लोगों की मौत नशे की ओवरडोज से हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो समाज के लिए चिंता का विषय है। साथ ही उन्होंने खराब सड़क व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छात्रा को बस पकड़ने के लिए लंबी दूरी पैदल चलना पड़ता था, जिससे ऐसे खतरे और बढ़ जाते हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

एजेंसी, मालदा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया।

मालदा के चांचल स्शित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को "झूठा" बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सिर्फ अपने संगठन के हित में काम कर रही है और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा हिंसा फैलाती है, जबकि यहां तृणमूल कांग्रेस हिंसा फैलाने का काम करती है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने में लगे हैं। वहीं हम कहते हैं कि देश में एकता होनी चाहिए, भाईचारा होना चाहिए, नफरत मिटनी चाहिए। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का मुकाबला टीएमसी नहीं कर सकती है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा के खिलाफ खड़ी हो सकती है और उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां एसआईआर के नाम पर वोट चोरी की जा रही है, लेकिन टीएमसी इसे नहीं रोक सकती। सिर्फ कांग्रेस ही इसे रोक सकती है।

उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। इनमें सभी के लिए दस लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कैंसर मरीजों का मुफ्त इलाज, किसानों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और सालाना 15 हजार रुपये की सहायता शामिल है। महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये देने और शिक्षा को मुफ्त करने का भी आश्वासन दिया गया।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर नौकरी गई, फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

एजेंसी, लंदन

यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीतना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स NHS ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकलाः आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता।

कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : ओम बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है। ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित "एलीना और महान संविधान" (बाल संविधान) पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधानः बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी है। इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके।

मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, "बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है।" उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है। अध्यक्ष ने कहा कि

लोकतंत्र की आत्मा हमारा संविधान है। आज लोगों के जीवन को नैतिक अधिकार, न्याय का अधिकार देने का काम हमारे संविधान में निहित है। एक सामान्य अंतिम पड़ाव का व्यक्ति भी न्याय का समान अधिकार रखता है, मत का समान अधिकार रखता है और एक मानवीय जीवन जीने का अधिकार रखता है। ये समानता उनके जीवन का मूल रही क्योंकि उन्होंने असमानता देखी थी और यही भारत की ताकत बनी।

उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद आज समाज का कोई भी क्षेत्र चाहे वह विज्ञान हो, रक्षा हो या उद्योग महिलाओं के नेतृत्व से अछूता नहीं है। अब यह नेतृत्व क्षमता विधायी संस्थाओं (संसद और विधानसभाओं) तक पहुंच रही है, जो लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण है। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आर्थिक प्रतिबंध किसी भी देश के विकास में रुकावट है। हमारी पार्टी देश की चिंता करता है, जबकि अन्य पार्टियां पार्टी कुर्सी की। उन्होंने संविधान की तुलना रामचरितमानस और गीता जैसे पवित्र ग्रंथों से करते हुए इसे राष्ट्र का मार्गदर्शक बताया और कानून के छात्रों को बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करने की सलाह दी।

इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ ला की ग्रुप डायरेक्टर एवं डीन प्रो. (डॉ.) मनप्रीत कौर राजपाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए यह अनिवार्य है कि हमारे बच्चे बचपन से ही उन संवैधानिक मूल्यों और अधिकारों को जानें जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक बच्चों के मन में लोकतंत्र के प्रति सम्मान और जिज्ञासा पैदा करने का काम करेगी। इस अभिनव पहल के संयोजक लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अक्षय कांति बम ने कहा कि, "बाल संविधान" के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी को भारत के लोकतंत्र की नींव से जोड़ने का यह अपनी तरह का पहला और अनूठा प्रयास है। इस मौके पर विशेष अतिथि कैलाश विजयवर्गीय, साक्षी महाविद्यालय के 1500 विद्यार्थी और विभिन्न विद्यालयों के 500 से अधिक विद्यार्थियों सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। आरसीबी के खिलाफ टक्कर

से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये। तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है। ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

संजू सैमसन और अमेलिया केर बने मार्च के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर को मार्च महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। दोनों खिलाड़ियों को यह सम्मान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस दौड़ में अपने ही साथी जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइज़न को पीछे छोड़ा। वहीं अमेलिया केर ने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को पछाड़ते हुए महिला वर्ग का खिताब जीता।

विश्व कप में सैमसन का जलवा- संजू सैमसन को टी-20 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में खेले गए अहम मुकाबले में नाबाद 97 रन बनाए। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में 89 रन और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में भी 89 रन की पारी खेली। सैमसन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने न सिर्फ खिताब अपने नाम किया, बल्कि टी20 विश्व कप को बरकरार रखने वाली पहली टीम भी बनी और पहली बार अपने घर में ट्रॉफी जीती। संजू सैमसन ने कहा, "आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना बेहद खास एहसास है। यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे यादगार दौर में मिला है। विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना मेरे लिए सपना पूरा होने जैसा है।"

अमेलिया केर का ऑलराउंड प्रदर्शन- न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने मार्च में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चार वनडे मैचों में 176 रन बनाए और साथ ही लेग स्पिन से 18 विकेट भी हासिल किए। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने 3-0 से जीत दर्ज की, जिसमें केर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 विकेट पर 34 रन रहा। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी केर ने 276 रन बनाए और 6 विकेट लिए। उनकी शानदार खेल की बदौलत न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4-1 से सीरीज जीती और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। अमेलिया केर ने कहा, "यह महीना व्हाइट फर्न्स के लिए बेहद खास रहा। देश के लिए योगदान देना हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन टीम का सामूहिक प्रदर्शन मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।" दोनों खिलाड़ियों का चयन आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकृत वैश्विक प्रशंसकों और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व मीडिया प्रतिनिधियों की विशेषज्ञ समिति के वोट के आधार पर किया गया।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया

» डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

एजेंसी, मुम्बई

मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

पीएसएल ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर लगाया 2 साल का प्रतिबंध

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई पीएसएल छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के फैसले के कारण की गई है। 29 वर्षीय मुजरबानी पहले आईपीएल और पीएसएल दोनों की नीलामी में नहीं बिके थे। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने यह कॉन्ट्रैक्ट छोड़ दिया, जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें अपनी टीम में शामिल होने का ऑफर दिया। कोलकाता ने उन्हें उस समय साइन किया, जब टीम को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के साथ अपना करार खत्म करना पड़ा। मुजरबानी आईपीएल 2026 में अब तक दो

मैच खेल चुके हैं और अपने दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले भी इसी तरह के मामले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश पर एक साल का बैन लगाया गया था।

अन्य खिलाड़ियों पर भी गिर सकती है गाज- इस सीजन में स्पेंसर जॉनसन और दासुन शनाका ने भी पीएसएल छोड़कर आईपीएल खेलने का फैसला किया है। हालांकि, अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन पर भी कार्रवाई की संभावना है।

पीएसएल का सख्त बयान- लीग ने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में पारदर्शिता और अनुशासन बेहद जरूरी है। किसी मौजूदा अनुबंध के रहते दूसरी लीग से जुड़ना नियमों का उल्लंघन है और इससे सिस्टम पर भरोसा कमजोर होता है। पीएसएल ने साफ किया कि दो साल का बैन इस उल्लंघन की गंभीरता को दर्शाता है।

संक्षिप्त

आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव को जगह

मुम्बई। वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला 26 जून को बेलफास्ट में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। अगर वैभव इस दौरे में सफल रहते हैं तो उन्हें आगामी आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया जा सकता है।

स्टोक्स ने मैक्कुलम के साथ मतभेद की खबरों को किया खारिज, बोले- 95 प्रतिशत मामलों में सहमति

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम के साथ मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच तालमेल को लेकर जो बातें कही जा रही हैं, वह बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे 95 प्रतिशत मामलों में एकमत रहते हैं। स्टोक्स ने माना कि ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एशेज दौरे के दौरान उनके और मैक्कुलम के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद थे, लेकिन इसे उन्होंने सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उस समय स्टोक्स जहां थोड़ा संतुलित और रक्षात्मक खेल के पक्ष में थे, वहीं मैक्कुलम आक्रामक रणनीति जारी रखना चाहते थे। इंग्लैंड को उस एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि दोनों ने इस मुश्किल दौर में एक-दूसरे का समर्थन किया। स्टोक्स ने

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड को दिए इंटरव्यू में कहा, "यह कहना कि हम एकमत नहीं हैं, बहुत बड़ी बात बना दी गई है। नेतृत्व में हर मुद्दे पर सहमति होना संभव नहीं होता। टीम के हित में चर्चा और बहस जरूरी होती है, जिससे सही निर्णय लिया जा सके।" उन्होंने कहा कि उनके और मैक्कुलम के विचार कई मामलों में अलग हो सकते हैं, लेकिन आपसी बातचीत से वे हमेशा एक निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। स्टोक्स फिलहाल चोट से उबर रहे हैं। प्री-सीजन अभ्यास के दौरान उनके गाल की हड्डी टूट गई थी, जिसके चलते वे काउंटी क्रिकेट से दूर रहे। उम्मीद है कि वह मई में मैदान पर वापसी करेंगे, जब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी होगी। इस साल इंग्लैंड को पाकिस्तान के खिलाफ भी सीरीज खेलनी है, जबकि 2027 में ऑस्ट्रेलिया टीम इंग्लैंड दौरे पर आएगी। स्टोक्स ने कहा कि एशेज समीक्षा के बाद टीम की रणनीति में कुछ बदलाव किए जाएंगे, लेकिन उनका और मैक्कुलम का मुख्य लक्ष्य टीम को बेहतर बनाना और जीत दिलाना ही रहेगा।

यूएसपीएल का चौथा सीजन 20 नवंबर से, फ्लोरिडा करेगा मेजबानी

एजेंसी, फ्लोरिडा

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) का चौथा सीजन एक बार फिर धमाकेदार अंदाज में वापसी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट 20 नवंबर से 5 दिसंबर 2026 तक फ्लोरिडा के प्रतिष्ठित ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। लीग प्रबंधन ने इस सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी जोड़ने की भी योजना बनाई है, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक हो जाएगी। यूएसपीएल के संस्थापक और चेयरमैन जयदीप सिंह ने लीग की वापसी पर कहा, "यूएसपीएल अपने चौथे सीजन के साथ विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष हम दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मनोरंजन के नए आयाम जोड़ेंगे। कई नई साझेदारियां और बड़े ऐलान जल्द किए जाएंगे। हमें खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय से जबरदस्त समर्थन मिला है और हम आगे भी उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मंच देते रहेंगे। यह सीजन क्रिकेट के त्योहार जैसा होगा, जिसमें दुनियाभर के बड़े नाम और अमेरिका के बेहतरीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।"

सीजन 3 की शानदार सफलता के बाद बढ़ी उम्मीदें- यूएसपीएल सीजन 4, पिछले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद आयोजित हो रहा है। सीजन 3 में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने फाइनल में मैरीलैंड मैवरिक्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह मुकाबला भी ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में ही खेला गया था। पिछले सीजन में कई अंतरराष्ट्रीय और अमेरिकी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें से कई ने भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भी अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल और तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने लीग के प्रदर्शन को विश्व कप तक जारी रखा, जबकि ऑलराउंडर शैडली वैन शाल्कविक ने भी अपनी छाप छोड़ी। इसके अलावा आरोन जोन्स और भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने भी टूर्नामेंट का स्तर ऊंचा किया। न्यूयॉर्क काउबॉयज के कप्तान जेक लिंटॉट सीजन 3 के सबसे बड़े हीरो साबित हुए, जिन्होंने फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन कर टीम को चैंपियन बनाया।

क्रिकेट के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम- नए टीमों के जुड़ने, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और संस्थागत समर्थन के साथ यूएसपीएल सीजन 4 हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट का वादा करता है। यह लीग अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा का खेल बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

ओल्ड ट्रैफर्ड में 45 साल बाद लीड्स यूनाइटेड की ऐतिहासिक जीत, मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया

एजेंसी, मैनचेस्टर

इंग्लिश प्रीमियर लीग में सोमवार रात बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां लीड्स यूनाइटेड ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर यूनाइटेड को उनके घरेलू मैदान ओल्ड ट्रैफर्ड पर 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। 45 साल में यह पहली बार है जब लीड्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत दर्ज की। मैच के हीरो नोआ ओकाफोर रहे, जिन्होंने दो शानदार गोल दागकर टीम को यादगार जीत दिलाई। लीड्स ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और यूनाइटेड को दबाव में रखा।

पहले हाफ में ओकाफोर का दबदबा- मैच की शुरुआत में ही डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन को

मौका मिला, लेकिन गोलकीपर सेने लैमेंस ने शानदार बचाव किया। इसके बाद ओकाफोर ने क्रॉस पर गोल कर लीड्स को बढ़त दिलाई। 29वें मिनट में ओकाफोर ने दूसरा गोल किया, जब बॉक्स के बाहर से लिया गया उनका शॉट लेनी योरो से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया।

लिसांद्रो मार्टिनेज को रेड कार्ड- दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड को बड़ा झटका लगा, जब लिसांद्रो मार्टिनेज को 56वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन के बाल खींचे, जिसके बाद वीएआर रिव्यू में फैसला उनके खिलाफ गया।

कैसेमिरो ने दिलाई उम्मीद, लेकिन हार नहीं टली- 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही यूनाइटेड के लिए कैसेमिरो ने 69वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के क्रॉस पर गोल कर टीम को वापसी की उम्मीद दी।

इसके बाद यूनाइटेड ने बराबरी के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन मैनुएल उगार्ते का प्रयास भी ब्लॉक हो गया और लीड्स की डिफेंस ने जीत सुरक्षित रखी।

अंक तालिका की स्थिति- इस हार के बावजूद मैनचेस्टर यूनाइटेड 55 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि लीड्स यूनाइटेड 36 अंकों के साथ 15वें स्थान पर पहुंच गया है और रेलिगेशन जोन से दूरी बना ली है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

एजेंसी, अकरा (घाना)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, "कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।" क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप

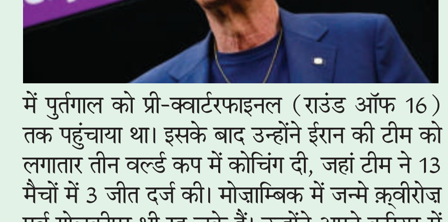

में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

बोर्नियो पीकॉकः पूरे शरीर पर आंखनुमा आकृति

बोर्नियो पीकॉक फिजेंट साउथ ईस्ट एशिया के मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देशों घने जंगलों में मिलता है। इनमें भी नर अधिक सजीले होते हैं। यह बेहद संकटग्रस्त प्रजाति है। विश्व में 1700 के आसपास ही ये पक्षी रह गए हैं। यह पक्षी छोटे-छोटे समूह में रहता है। इसका वैज्ञानिक नाम पोली इलेक्ट्रॉन ले यह मचेरी है।

कैसा है इनका आहार

बोर्नियो पीकॉक का मुख्य भोजन बेरी, रसीले छोटे-छोटे फल, बीज और रीढ़धारी जंतु जैसे स्लग, घोंघे, मोलस्क, आइसोपोड्स और अन्य प्रकार के कीट पतंगे हैं।

जमीन पर घोंसला बनाती है मादा

जहां अन्य पीकॉक एक संगमनी होते हैं, वहीं बोर्नियो पीकॉक एक से अधिक मादा पक्षियों के साथ समय बिताते हैं। इनका प्रजननकाल अक्टूबर से मार्च तक चलता है और मादा जमीन पर यह घोंसला बनाती है। इसमें एक या दो अंडे दिए जाते हैं। 20 से 22 दिन बाद अंडे से चूजे निकलते हैं। अब सिर्फ 1700 के आसपास ही बचे हैं यह संरक्षित पक्षी।

कैसी होती है इनकी बनावट

- नर पक्षियों के पंख चमकीले, चटकीले और पूंछ लंबी होती हैं। ये अपना अधिकांश समय जमीन पर ही बिताते हैं। यही इन पक्षियों की पहचान है। इनके नर अधिकतर सजीले चटक रंगों से युक्त और कलगी से सजे रहते हैं।
- इसका आकार 50 सेंटीमीटर लंबा होता है। यह लाल, बादामी, काले धब्बे और हरे व नीले पंखों वाला पक्षी है। इसकी आंखों के चारों ओर पाए जाने वाली गहरी लाल चमड़ी और नीली आयरिस अलग पहचान देती है।
- छाती के पंख नीले व हरे होते हैं। इसकी पूंछ के पंखों की संख्या 22 होती है।

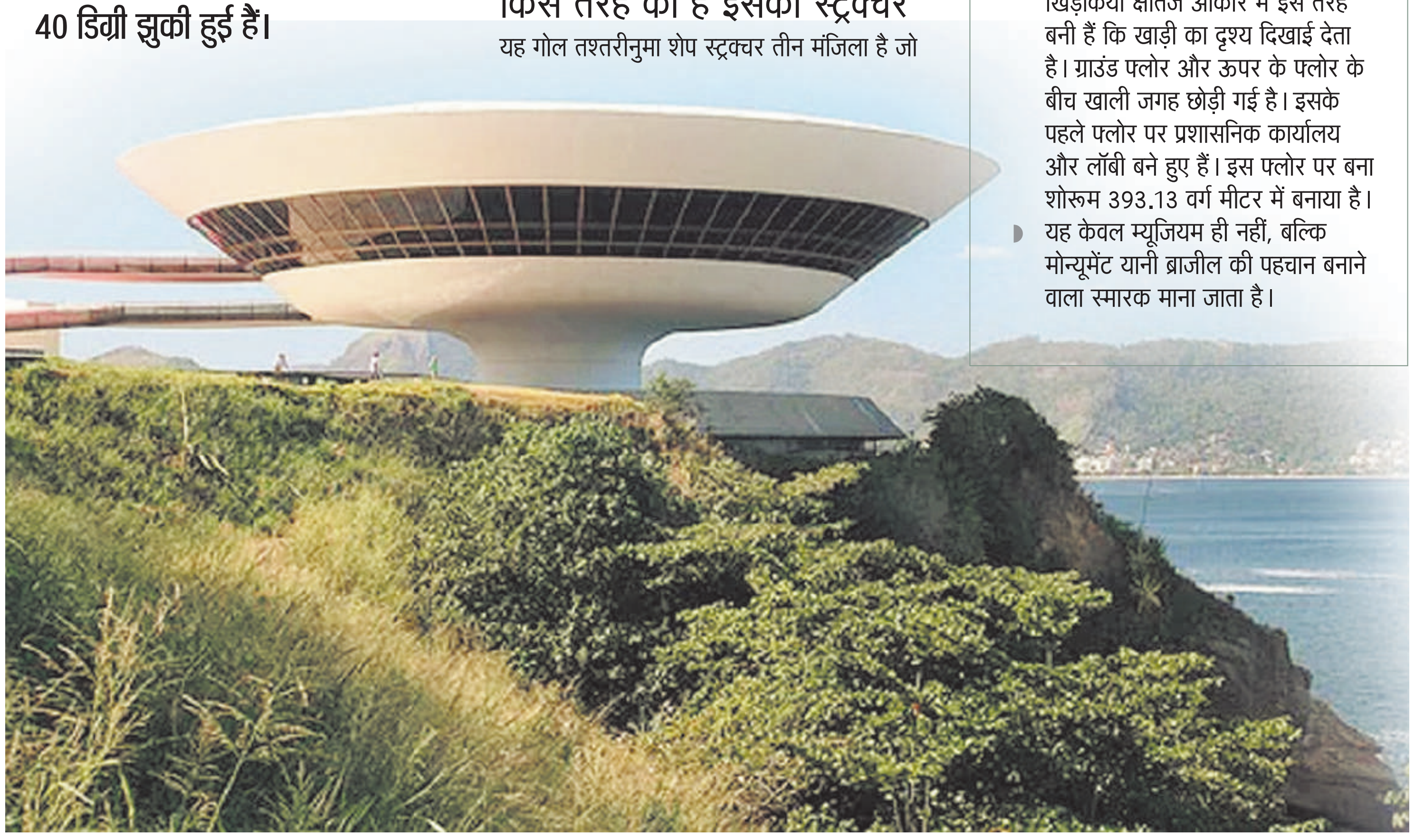

इस तश्तरीनुमा म्यूजियम में एक भी पिलर नहीं, सभी खिड़कियां 40 डिग्री कोण पर झुकी हुईं

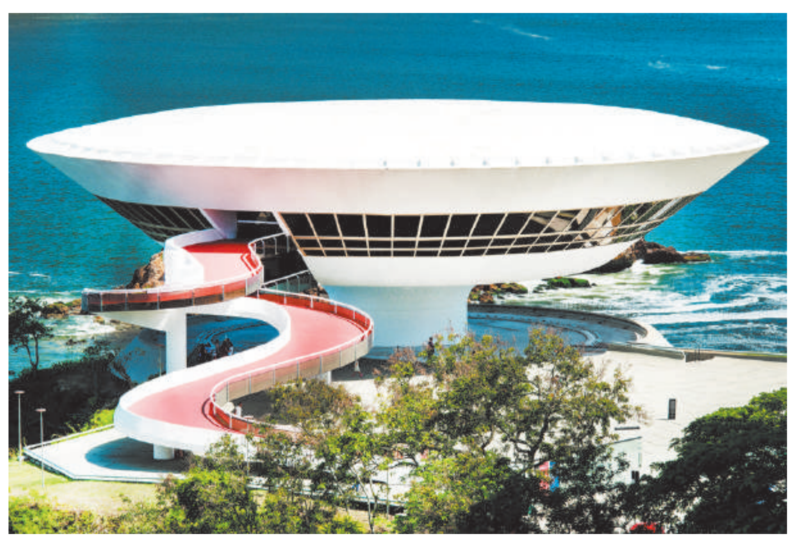

बाजील के शहर रियो डी जेनेरियो में स्थित नेतरोई आर्ट म्यूजियम अपनी तश्तरीनुमा बनावट के लिए दुनियाभर में पहचान रखता है। यह आर्ट म्यूजियम 5 साल में 500 वर्कर्स की मदद से 1996 में बनकर तैयार हुआ था। इसे बनाने में 10 लाख टन से अधिक कांक्रीट का उपयोग किया गया था। इसकी सभी खिड़कियां 40 डिग्री झुकी हुई हैं।

किसने बनाया

प्रतिष्ठित 'आर्किटेक्ट' मैग्जीन के अनुसार ब्राजील के गुआनबरा समुद्री खाड़ी के किनारे बना यह प्लेटनुमा स्ट्रक्चर का म्यूजियम ब्राजीलियन आर्किटेक्ट ऑस्कर नेमार ने तैयार किया। नेतरोई म्यूजियम को देखने के लिए खासतौर पर दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं।

किस तरह का है इसका स्ट्रक्चर

यह गोल तश्तरीनुमा शेप स्ट्रक्चर तीन मंजिला है जो 16 मीटर ऊंचा है। इसका आकार 50 मीटर के डायमीटर (व्यास) में बना हुआ है। इसके अंदर बना हॉल हैक्सागोनल यानी छहकोणीय आकार का है। इसमें अंदर एक भी पिलर नहीं हैं। अंदर बड़े से गोलाकार हॉल में एक्जीबिशेस लगाई जाती हैं। इसके चारों ओर एक जैसे आकार की खिड़कियां हैं, जहां से बाहर का दृश्य सुंदर दिखता है। खास बात यह है कि इसकी तश्तरनुमा बनावट के कारण ये सभी खिड़कियां 40 डिग्री झुकी हुई हैं। इसे बनाने के लिए जमीन 12.50 लाख डॉलर में मिली। यह समुद्र की ओर निकली हुई बड़ी सी चट्टान पर बनाया गया है। 2.7 मीटर के बेलनाकार स्ट्रक्चर के ऊपर यह तश्तरीनुमा शेप में हॉल बनाया गया है। इस म्यूजियम में जितने 1 हजार वॉट के हजार से भी ज्यादा बल्ब लगाए गए हैं।

क्या है खासियत

- इस म्यूजियम तक पहुंचने के लिए 98 मीटर सर्पीली रैम्प बनाई गई है। चढ़कर जाया जाता है।
- एक बड़ी चट्टान के ऊपर बना यह म्यूजियम लाइट हाऊस की तरह एक लैंडमार्क है जो दूर समुद्र से भी दिखाई देता है। इसके ऊपर से पूरे रियो डी जेनेरियो का दृश्य दिखाई दे जाता है। डिजाइनर ऑस्कर का कहना था कि यह चट्टान छोटी होने के कारण इसे तश्तरीनुमा बनाया जाना ही ठीक रहेगा, ताकि कम जगह में भी यह बड़े आकार में बन सके।
- यहां ग्राउंड फ्लोर पर रेस्तरां, बार और 60 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक ऑडिटोरियम भी है। रेस्तरां की खिड़कियां क्षैतिज आकार में इस तरह बनी हैं कि खाड़ी का दृश्य दिखाई देता है। ग्राउंड फ्लोर और ऊपर के फ्लोर के बीच खाली जगह छोड़ी गई है। इसके पहले फ्लोर पर प्रशासनिक कार्यालय और लॉबी बने हुए हैं। इस फ्लोर पर बना शोरूम 393.13 वर्ग मीटर में बनाया है।
- यह केवल म्यूजियम ही नहीं, बल्कि मोन्यूमेंट यानी ब्राजील की पहचान बनाने वाला स्मारक माना जाता है।

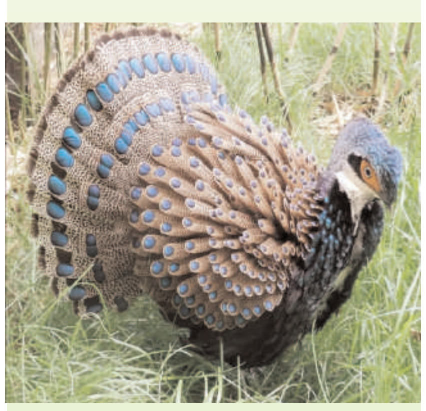

हाइड्रोजन टैबलेटः एक घंटे में एक लीटर दूषित पानी को बना देती है पीने लायक

टैक्सास विवि के वैज्ञानिक गुईहुआ यू का कहना है कि दूषित जल की समस्या पूरी दुनिया में व्याप्त है। इस समस्या से निपटने के लिए टैक्सास यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने हाइड्रोजनजेल बनाई है, जो दूषित नदी-तालाबों के पानी को पीने लायक बना देगी। इसकी एक गोली से एक लीटर दूषित पानी पीने लायक बन सकता है।

दुनिया में सिर्फ एक प्रतिशत जल पीने लायक है। एक तिहाई आबादी को साफ पीने लायक पानी नहीं मिल पाता है। यह जल इतना दूषित होता है कि एशियाई अफ्रीकी देशों में कई मौतें सिर्फ दूषित पानी पीने से होती हैं। ऐसे में यह इनोवेशन बहुत अहम है। क्योंकि आज जो पानी साफ करने की तकनीकों का इस्तेमाल होता है उनमें काफी ऊर्जा, मेहनत और समय लगता है। यह उन लोगों के लिए बिल्कुल व्यावहारिक नहीं है जहां इस तरह के काम के लिए संसाधान और प्रक्रियाएं उपलब्ध नहीं हैं।

कैसे काम करती है गोली

हाइड्रोजन पैराऑक्साइड एक्टिवेटेड कार्बन के कणों के साथ बैक्टीरिया के जरूरी कोशिका घटकों पर हमला कर उनके मैटाबोलिज्म को खराब कर देता है। इस प्रक्रिया में कोई ऊर्जा नहीं लगानी पड़ती है। बाद में हाइड्रोजेल का तत्व जो अपशिष्ट के रूप में बचा रहता है उसे बाद में स्वच्छ पानी होने के बाद आसानी से हटाया जा सकता है।

क्या अंतर लाएगी तकनीक

एडवांस्ड मटेरियल जर्नल में प्रकाशित इस शोध पर कॉकरेल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के वाकर डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग और टेक्सास मटेरियल इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेस गुईहुआ यू ने अध्ययन किया है। अध्ययन के अनुसार यह इनोवेशन हाइड्रोजनजेल गोली वैश्विक जल समस्या कम करने में बड़ा अंतर ला सकती है।

ज्यादा कारगर तकनीक

आज नदी-तालाबों के दूषित पानी को शुद्ध करने का सबसे अच्छा तरीका उसे उबालना या फिर पाश्चुरीकृत करना माना जाता है, लेकिन शोधकर्ताओं का मानना है कि उनकी तकनीक आसान, बहुत कारगर और बड़े पैमाने पर काम कर सकने वाली है। इसी वजह से वह एक गेमचेंजर साबित हो सकती है।

गोली कैसे है फायदेमंद

- यह खास हाइड्रोजेल हाइड्रोजन पैराऑक्साइड पैदा करती है जिसकी बैक्टीरिया को खत्म करने की कारगरता 99.99 प्रतिशत है।
- साफ पीने लायक पानी उपलब्ध कराने का काम काफी खर्चीला भी है। ऐसी स्थिति में यह हाइड्रोजेल गोली कम खर्च में दूषित जल को पीने के पानी में बदलने में पूरी तरह सक्षम है।

रोसफिंचः 4500 मीटर ऊंचे पर्वतों पर देते हैं नीले रंग के अंडे

रोसफिंच पक्षी गुलाबी फर के गोले की तरह दिखाई देता है। इसकी हल्की गुलाबी भौंह के कारण इसे गुलाबी भौंह तूती भी कहा जाता है। ये 4500 मीटर तक के ऊंचे ऊंचे हिमालय पर्वतों पर अंडे देते हैं, वो भी सफेद की बजाय नीले रंग के होते हैं। यह तुती (फिंच) परिवार का सदस्य है, जिसकी वजह है इनका 'ट्व्ही दूव्ही का मधुर संगीत। यह डाल पर या इधर-उधर फुदकते हुए मधुर आवाज में काफी देर तक मुखर रहता है।

नर-मादा के रंग में क्या अंतर

इस प्रजाति के पक्षियों में नर अरे मादा में कोई भी आसानी से अंतर पहचान सकता है। नर तूती के हल्के गुलाबी रंग के पंख माथे पर होते हैं। यही रंग की उसकी छाती और दम भी होते हैं। वहीं दूसरी तरफ मादा तूती गुलाबी रंग की बजाय भूरी होती है। हल्के पीले रंग के भोई, गहरे भूरे आवरण की वजह से इसे आसानी से पहचाना जा सकता है।

कहां-कहां है इनका बसेरा

आकार में गोरैया जैसी यह तुती 14-15 सेमी लंबी व मात्र 16 से 20 ग्राम वजनी होती है। यह प्रजननकाल का समय 4500 मीटर तक को ऊंचाई पर बिताती हैं। बाकी समय करीब 1200-2700 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति गांवों के पास रहकर व्यतीत करती हैं। इनका विस्तार हिमालय में उत्तरी पाकिस्तान से लेकर कश्मीर से होते हुए नेपाल और फिर सिक्किम तथा भूटान तक है।

कैसा है इनका आहार

तरह-तरह के बीज, छोटे रसीले फल जैसे जंगली बेर/जामुन, छोटी पतियां और जड़ी-बूटियां आदि इनकी खुराक का एहम हिस्सा हैं। यह जमीन पर फुदक-फुदककर दाना चुगती हैं। कई बार तो आसानी से दिखती भी नहीं हैं।

प्रजननकाल कब, कहां देते हैं अंडे

इनका प्रजननकाल जुलाई से अगस्त के महीनों में होता है। इस प्रजाति में घोंसला मादा तूती द्वारा बनाया जाता है। घोंसले को मुख्य रूप से छोटी टहनियां, सूखे तने, काई, जानवरों के बाल और घास इत्यादि से बनाया जाता है। इन पक्षियों द्वारा घोंसला जमीन से करीब 2 मीटर की ऊंचाई पर किसी पेड़ या इतनी ही ऊंचाई की किसी अन्य जगह पर बनाया जाता है।

क्या है इनके अंडों की खासियत

हैरानी की बात यह है कि इनके अंडे फिरोजी-नीले रंग के होते है। कभी-कभी इन अंडों पर कुछ भूरे धब्बे भी देखने को मिलते हैं। यह रंग अंडों को बाकी शिकारी जीवों से बचाए रखने में मदद करता है, जिससे कि कोई और प्राणी इनका शिकार न कर पाए। यही नहीं, इन अंडों का रंग इन्हें आवश्यक तापमान बनाए रखने में सहायता करता है। मादा तूती एक बार में 5 अंडे तक दे सकती है।

190 साल पहले आयलवर्ड ने देखा था

आईयूसीएन (अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ) ने इन्हें महत्वपूर्ण पक्षियों की सूची में रखा है। हालांकि इस प्रजाति की पहली बार 1831 में निकोलस आयलवर्ड विगर्स द्वारा वर्णित किया गया था। अगली बार जब भी आप हिमालय में स्थित किसी स्थान पर जाएं तो इन पक्षियों को देखना न भूलें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

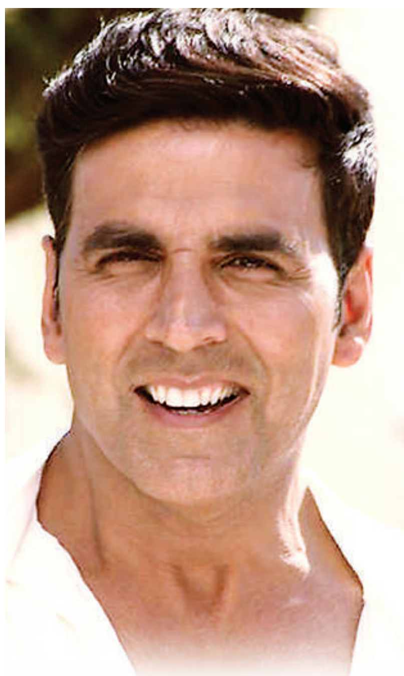

'नागिन 7' में नाग गुरु के अवतार में नजर आएंगे अक्षय कुमार

टीवी और फिल्मों के बीच का रिश्ता अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गया है। बड़े सितारे अपनी फिल्मों के प्रमोशन के लिए टीवी शोज का सहारा लेते हैं, जिससे दर्शकों को भी कुछ नया और अलग देखने को मिलता है। इसी कड़ी में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के लिए टीवी के पॉपुलर शो 'नागिन 7' में नजर आने वाले हैं। इस खास एपिसोड की झलक सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है। कलर्स टीवी चैनल ने इंस्टाग्राम पर इस एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है। यह एपिसोड 11 अप्रैल, शनिवार को प्रसारित किया जाएगा। प्रोमो में अक्षय कुमार 'नाग गुरु' के रूप में दिखाई दे रहे हैं। यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी दिलचस्प और नया है। वीडियो की शुरुआत में अक्षय कुमार फिल्म के गाने 'राम जी आके भला करेंगे' पर जबरदस्त डांस करते नजर आते हैं। इसके बाद कहानी में एक नया मोड़ आता है, जब वह प्रियंका चाहर चौधरी के किरदार नागिन आहना को सतर्क करते हैं।

अक्षय कहते हैं, ''ड्रैगन ही तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन है, जो इतना विशाल है कि उसकी परछाई से जमीन पर रोशनी तक नहीं पहुंचती।'' प्रोमो में आगे ड्रैगन और नागिन के बीच 'ड्रैगन पर्ल' को लेकर जबरदस्त टक्कर देखने को मिलती है। यह मुकाबला विजुअली भी काफी दमदार नजर आता है, जो दर्शकों को स्क्रीन से बांधकर रखने का काम करेगा।

इससे पहले भी एक प्रोमो सामने आया था, जिसमें अक्षय कुमार फोन पर नागिन आहना को ड्रैगन के खतरे के बारे में बताते हैं। आहना उनसे मदद मांगती है, लेकिन अक्षय उन्हें समझाते हैं कि इस लड़ाई को उसे खुद ही लड़ना होगा। वह बताते हैं, ''ड्रैगन को हराने का एक ही तरीका है और वो है उसकी खुद की आग।'' यह तरीका कहानी को और ज्यादा रहस्यमयी और दिलचस्प बनाता है। अक्षय कुमार प्रोमो में कहते नजर आते हैं कि जब नागिनों की नागिन परेशान होती है, तो उन्हें आना ही पड़ता है, लेकिन असली लड़ाई आहना को खुद ही लड़नी होगी। इसके बाद आहना उनसे वादा करती है कि वह इस चुनौती का सामना करेगी और ड्रैगन का खात्मा करेगी। आपको बता दें कि फिल्म 'भूत बंगला' को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यही वजह है कि फिल्म के प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार की एंट्री 'नागिन 7' में करवाई गई है। इस खास एपिसोड के जरिए दर्शकों को एक साथ टीवी ड्रामा और फिल्मी तड़का देखने को मिलेगा।

90 के दशक में मैगजीन मुझे और जेबा बख्तियार को एक-दूसरे के खिलाफ बताते थे प्रतिद्वंद्वी

आज के दौर में जहां सोशल मीडिया के जरिए फैंस सीधे अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ जाते हैं, वहीं एक समय ऐसा भी था जब फिल्मी दुनिया की खबरें सिर्फ मैगजीन और अखबारों के जरिए ही लोगों तक पहुंचती थीं। उस दौर में जो छपता था, वही सच माना जाता था। 90 के दशक का बॉलीवुड इसी तरह के किस्सों से भरा हुआ है, जब सितारों के बीच की दोस्ती और रिश्तों को अक्सर अलग रंग देकर पेश किया जाता था। अब उसी दौर को याद करते हुए अभिनेत्री सोमी अली ने एक पुराना किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें और जेबा बख्तियार को लेकर मैगजीन ने गलत छवि बनाई थी। सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक पोस्ट शेयर करते हुए 90 के दशक की मीडिया कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''उस समय सोशल मीडिया जैसी कोई चीज नहीं थी, जिससे लोग सेलिब्रिटीज की असली जिंदगी को समझ सकें। इस वजह से मैगजीन और टैब्लॉइड्स को खुली छूट मिल जाती थी और वे अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे। उस दौर में दर्शकों के पास कोई दूसरा जरिया नहीं होता था, जिससे वे सच्चाई जान सकें।''

अपनी पोस्ट में सोमी अली ने साल 1993 की एक खास मुलाकात का जिक्र किया, जब उनकी पहली बार जेबा बख्तियार से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया, ''हम दोनों ही पाकिस्तान में जन्मी थीं लेकिन मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। इस समानता को आधार बनाकर उस समय की मैगजीन ने हम दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा और टकराव की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी।'' उन्होंने कहा, 'मैगजीन की यह कोशिश कभी सफल नहीं हो पाई। असल जिंदगी में मेरे और जेबा बख्तियार के बीच कोई राइवलरी नहीं थी बल्कि हमारे बीच सम्मान और समझ का रिश्ता था। मैं आज भी उस पहली मुलाकात को अच्छे अनुभव के तौर पर याद करती हूं और मेरे मन में जेबा के लिए काफी इज्जत है।'

सोमी अली ने जेबा बख्तियार की तारीफ करते हुए कहा, ''वह बेहद खूबसूरत और अच्छी इंसान हैं। वह हमेशा खुश रहें और उन्हें जिंदगी में हर खुशी मिले।'' अगर जेबा बख्तियार की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'हिना' से पहचान हासिल की थी। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर और अश्विनी भावे नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन रणदीर कपूर ने किया था। भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि पर बनी इस प्रेम कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

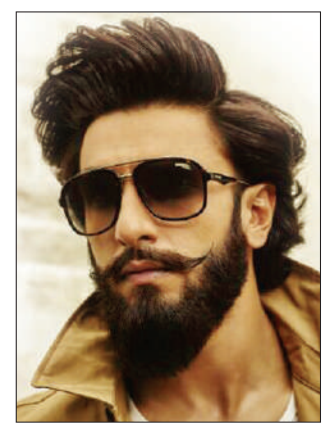

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही हैं।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' परिवारों को वापस सिनेमाघरों में लेकर आएगी

बॉलीवुड एक्टर अविनाश तिवारी और मेधा शंकर अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में शादी के माहौल में खूब धूम मचाने वाले हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया, जिसमें रिश्तों से जुड़े भावनात्मक विषयों के साथ एक उतार-चढ़ाव भरी प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म दर्शकों को पारिवारिक माहौल में ले जाएगी, जहां परिवार, शादी, गलतफहमियों, हंसी-मजाक और चौंकाने वाले ट्विस्ट दर्शकों को हैरान कर देंगे।

वरुण धवन के साथ शेयर करेंगे स्क्रीन राकेश बेदी

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है।

धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, 'फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।'

फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।'

अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, 'मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं।'

कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

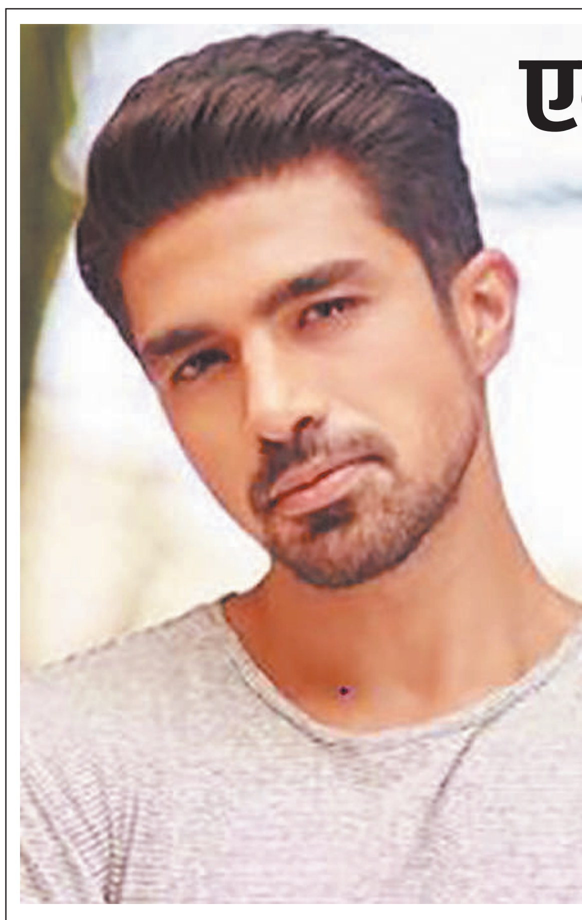

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, उतना ही मुश्किल भी होता है?

वेब सीरीज 'कप्तान' में अभिनेता साकिब सलीम एक बार फिर उसी देसी, रॉ और दबंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसे ऑडियंस पहले भी पसंद कर चुकी हैं। इस सीरीज में उनके साथ सिद्धार्थ निगम और अंजुम शर्मा भी हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान साकिब ने अपने किरदार, शो के एक्शन, सिद्धार्थ निगम के साथ सेट पर हुई मस्ती, प्रोड्यूसर के तौर पर आने वाली मुश्किलों और अपने करियर की भूख पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

'कप्तान' करते हुए लगा कि चलो फिर से अपने टाइप का रोल मिला?

हां, बिल्कुल... काफी लंबे समय बाद मुझे फिर ऐसा किरदार मिला। 'रंगबाज' के बाद मुझे बहुत प्यार मिला था। उसके बाद लोगों के लगातार मैसेज आते थे कि सर, वैसा कुछ और करिए, कुछ हार्टलैंड वाला काम करिए। मैं भी जिससे मिलता था, पूछता था कि यार, कुछ है क्या ऐसा? इस शो में मुझे एकदम रॉ, करप्ट और हार्टलैंड की कहानी मिली। ऐसा किरदार मिला जिसमें भरपूर स्वैग था। मुझे इसमें बहुत मजा आया। धीरे धीरे चलने में, एक्शन करने में। हम लड़कों को एक्शन करने में बहुत मजा आता है। इस शो में तो भर भरकर एक्शन है। एक पूरे एपिसोड में तो सिद्धार्थ बस बैकफ्लिप ही मार रहा था। मैं और अंजुम एक दिन सेट पर बैठे थे। उसका एक्शन सीन चल रहा था। वह बार बार बैकफ्लिप मार रहा था, दीवार पर चढ़ रहा था, कूद रहा था। मैं और अंजुम एक दूसरे की तरफ देखकर यही सोच रहे थे कि हमसे ये सब नहीं हो पाएगा, हम तो बस गोली चलाएंगे।

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, क्या उतना ही मुश्किल भी होता है?

बिलकुल। देखने में तो बड़ा मजा आता है, लेकिन करने में पसीना छूट जाता है। चोट भी लगती है, ये तो तय है। मुझे भी लगी थी, सिद्धार्थ को भी। लेकिन बात ये है कि सिद्धार्थ को देखकर लगता था, अगर कोई शेर के पिंजरे में घुस जाएगा, तो लगेगी ही न। एक होता है नॉर्मल एक्शन, जो हम लोग करते हैं। बंदूक चलाई, मुक्केबाजी की। लेकिन जो वह कर रहा था, वह अलग ही स्तर का था। यहां से कूदना, वहां से छलांग लगाना, ये सब हम नहीं करने वाले। हमारा एक्शन थोड़ा जमीन पर रहता है। गाड़ी से कूद जाओ, थोड़ा भाग लो, लड़ लो, वह ठीक है।

सेट पर सिद्धार्थ निगम की सबसे ज्यादा खिंचाई किस बात पर हुई?

एक दिन शूट के दौरान बड़ा मजेदार किस्सा हुआ। सिद्धार्थ की शर्ट में ऐसे बटन लगे थे जो हल्के से खिंचने पर खुल जाते थे। उसने दीवार से बैकफ्लिप मारी। और जैसे ही नीचे उतरा, उसकी शर्ट खुल गई। बस फिर क्या था, हमने वहीं मजाक शुरू कर दिया। मैंने कहा, ये बटन ऐसे थे ही क्यों? नॉर्मल बटन नहीं लगा सकते थे क्या? फिर उसे छेड़ने लगे कि तुमने पहले से सोच रखा था क्या कि एक बैकफ्लिप मारूंगा, बटन खुलेंगे और बॉडी दिखाऊंगा। काम जितना होता था, मजाक भी उतना ही चलता था।

अब आप अभिनेता के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आज के समय में प्रोड्यूसर होना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका में एक यूट्यूबर ने फिल्म बनाई। उसने अपनी पूरी कम्युनिटी बनाई। लोगों को फिल्म बनने का पूरा सफर दिखाया। फिर उनसे कहा कि अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं, तो डिस्ट्रीब्यूटर्स को लिखिए। लाखों लोगों ने ऐसा किया। फिल्म ने बहुत अच्छा कारोबार किया। ये उदाहरण मुझे प्रेरित करता है।

आज इंडस्ट्री में सबसे बड़ी उलझन क्या लगती है?

बहुत सारी चुनौतियां हैं। प्लेटफॉर्म की अपनी चुनौतियां हैं। अब थिएटर और ओटीटी के बीच बड़ी लड़ाई चल रही है। जब मैं आया था, तब मुझे सिर्फ थिएटर वाली फिल्में करनी थीं। अब बहुत कुछ बदल गया है। पहले एक ही रास्ता था। फिल्म बनाओ और थिएटर में रिलीज करो। अब इतने विकल्प आ गए हैं कि स्पष्टता थोड़ी कम हो गई है। कई बार लगता है कि आप प्रोड्यूसर कम और लाइन प्रोड्यूसर ज्यादा बन जाते हैं। क्योंकि कई बार चीजें इस तरह बनने लगती हैं कि चलो, ये बन रहा है तो बना लेते हैं। जबकि फिल्म इसलिए बननी चाहिए क्योंकि आप उसे बनाना चाहते हैं। मेरे हिसाब से वही असली बात है।